MUMBAI TARANG™

RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2020-2022

पराजय तब नहीं होती...
जब आप गिर जाते हैं.
पराजय तब होती है....
जब आप
उठने से इनकार कर देते है.

मुंबई तरंग

जय श्री राम
Yogi 8156045100 8401376537
Bimal Patel 8401886537
YOGI PROPERTY DEALER
Row House, Flats, Shop, Plot, Bunglows
PURCHASE, SALE & RENT
B-Mark Point, Dindoli Bus Stop, Near SBI Bank, Dindoli, Surat

www.mumbaitarang.com

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-02 ❖ अंक-44 ❖ मुंबई ❖ रविवार 24 से 30 अक्टूबर 2021 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

पेज 3
फिर चुनाव मैदान में उतरे एनसीपी अध्यक्ष शरद पवार

पेज 5
ग्रीन दिवाली-वायु प्रदूषण 15 फीसदी कम करेगी मनपा, एयर क्वॉलिटी की निगरानी करने के लिए वेबसाइट लॉन्च होगी, मॉनिटरिंग स्टेशन भी बढ़ाए जाएंगे

पेज 7
विवेक ओबेरॉय और डेज़ी शाह के हाथो पिआरवो नगमा खान को मिड डे शोबिज अवार्ड से,दुबई में सम्मानित किया गया

पेज 8
समीर वानखेड़े व नवाब मलिक में जुबानी जंग, एनसीपी नेता के आरोप पर एनसीबी अधिकारी ने दी मुकदमा की धमकी

मुंबई को बनाओ सबसे सुंदर!...

मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे का मनपा को निर्देश

मुंबई, मुंबई में हुए अवैध निर्माण कार्यों पर युद्धस्तर पर कार्रवाई करें। इस मामले में किसी के दबाव में न आएं। हम आपके साथ मजबूती से खड़े हैं, ऐसे स्पष्ट निर्देश मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कल हुई बैठक में मनपा के संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि यह भी देखने में आया है कि पूर्वी और पश्चिमी राजमार्गों पर भारी संख्या में मलबा डाला जा रहा है। ऐसे स्थानों पर वैâमरे लगवाएं और ऐसा करनेवालों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करें।

मुंबई को बनाएं देश का आदर्श शहर वीडियो कॉन्फ्रिंसग के माध्यम से कल मनपा अधिकारियों के साथ हुई बैठक में मुख्यमंत्री ने उपरोक्त बातें कही। उन्होंने मुंबई की सड़कें, फुटपाथ, सफाई एवं नागरिक सुविधाओं पर ध्यान देते हुए समय पर काम पूरा करने के साथ ही मुंबई को देश का आदर्श शहर बनाने की दिशा में काम करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। बैठक में मनपा आयुक्त इकबाल सिंह चहल, सहायक आयुक्त, उपायुक्त, प्रभाग अधिकारी, मनपा अस्पताल के स्वास्थ्य अधिष्ठाता सहित टास्क फोर्स के सदस्य भी उपस्थित थे। अवैध निर्माण बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे मुख्यमंत्री ने कहा कि मुंबई में अवैध निर्माण बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। ऐसे में अपने कर्तव्य का पालन करते हुए अवैध निर्माणों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करें, किसी के भी दबाव में न आएं, हम आपके साथ मजबूती से खड़े हैं। इन शब्दों में मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए।

टेंडर प्रक्रिया हो पारदर्शी

मुख्यमंत्री ने कहा कि मुंबई में सड़क मरम्मत के लिए टेंडर प्रक्रिया उचित एवं पारदर्शी ढंग से कराएं। मुंबई को सुंदर और उच्च गुणवत्ता एवं सुविधायुक्त बनाने के लिए यहां की सड़कें, फुटपाथ, डिवाइडर, गार्डन आदि की साफ-सफाई का ध्यान रखें। इसके साथ ही सड़कों पर बने गड्ढों को भरने का काम प्राथमिकता से किया जाए।

मुंबई मॉडल की हुई सराहना

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड की जंग में मुंबई मॉडल की हर जगह प्रशंसा हुई। आपके प्रयासों ने इसे संभव बनाया है, आपने एक टीम की तरह काम किया है, लेकिन अब आपको नागरिक सुविधाओं पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। जिस तरह हमने वॉर्डवार टीमों को दैनिक सफाई के लिए नियुक्त किया है, उसी तरह हमें मलबे के लिए भी टीम बनानी चाहिए और देखना चाहिए कि पत्थर-ईंट और मिट्टी के मलबे को तुरंत वैâसे उठाया जाए?

खतरा टला नहीं, ब्रिटेन में बढ़ा संक्रमण

दिवाली आ रही है। कोविड का खतरा टला नहीं है। ब्रिटेन में संक्रमण तेजी से बढ़ रहा है। अस्पताल मरीजों से भर रहे हैं। मैंने वहां के कुछ डॉक्टरों से बात की है, आपको भी सावधान रहना होगा। मानसून बाद मलेरिया, डेंगू और चिकनगुनिया के प्रकोप देखने को मिल रहे हैं।

हमें महाराष्ट्र पुलिस पर गर्व है! – मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे

मुंबई, हमें महाराष्ट्र पुलिस पर गर्व है। विश्व में सर्वोत्तम पुलिस बल के तौर पर पहचान बनाने के लिए आवश्यक सभी सुविधाएं मुहैया कराने हेतु राज्य सरकार वचनबद्ध है। उक्त बातें मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कही।

राज्य सरकार द्वारा पुलिसकर्मियों की उपनिरीक्षक पद पर प्रोन्नति किए जाने के निर्णय को लेकर सह्याद्रि गेस्ट हाउस में पुलिस कांस्टेबल संवर्ग की तरफ से मुख्यमंत्री और गृहमंत्री का आभार प्रकट करने के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इस दौरान मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने अपना मत व्यक्त किया। पुलिस राज्य सरकार की रीढ़ है इसलिए सरकार का यह कर्तव्य है कि वह रीढ़ की हड्डी को मजबूत बनाए रखे। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा कि पुलिस बल को पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध कराने के हर संभव प्रयास किए जाएंगे।

'क्या रश्मि शुक्ला को बतौर आरोपी नामजद किया जाए?', बॉम्बे हाई कोर्ट ने फोन टैपिंग मामले में पुलिस से किया सवाल

मुंबई, बॉम्बे हाई कोर्ट ने मुंबई पुलिस को यह स्पष्ट करने का निर्देश दिया कि क्या फोन टैप प्रकरण में वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी रश्मि शुक्ला को आरोपी के रूप में नामजद किया जाए? शुक्ला पर महाराष्ट्र में पुलिस के तबादलों और पदस्थापना संबंधी गोपनीय दस्तावेजों को कथित रूप से लीक करने तथा अवैध रूप से फोन टैप किए जाने का आरोप लगा है। जस्टिस नितिन जामदार और जस्टिस सारंग कोतवाल की बेंच ने पुलिस से कहा कि वह जांच में हुई प्रगति के बारे में भी 25 अक्टूबर तक अदालत को जानकारी दे। कोर्ट ने इस बात पर भी गौर किया कि इस मामले में प्राथमिकी इस साल मार्च में दर्ज की गई थी। शुक्ला ने कोर्ट में याचिका दायर कर इस संबंध में प्राथमिकी रद्द करने और मामला सीबीआई

को सौंपने का अनुरोध किया है, जो महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख के खिलाफ पहले ही जांच कर रहा है। दस्तावेज लीक के लिए जिम्मेदार कौन! वरिष्ठ अधिवक्ता डेरियस खंबाटा ने कोर्ट से कहा कि याचिकाकर्ता को अभी तक आरोपी के रूप में नामजद नहीं किया गया है, लेकिन यह पता लगाने के लिए जांच जारी है कि संवेदनशील सरकारी दस्तावेजों को लीक करने के लिए कौन जिम्मेदार था। इसके बाद बेंच ने कहा कि यदि शुक्ला को आरोपी के तौर पर नामजद नहीं किया गया है और यदि पुलिस का उन्हें नामजद करने का इरादा नहीं है, तो अदालत को इस याचिका की सुनवाई करने में अपना समय बर्बाद नहीं करना चाहिए। अदालत ने कहा, 'आप (पुलिस) स्पष्ट कीजिए कि क्या उन्हें आरोपी के रूप में नामजद किया जाएगा या नहीं। इसके बाद जब भी उन्हें आरोपी के रूप में नामजद किया जाएगा, तो वह फिर से कोर्ट के पास आ सकती हैं।' अदालत ने मामले की आगे की सुनवाई के लिए 25 अक्टूबर की तारीख तय की।

मुंबई में 60 मंजिला बिल्डिंग में भीषण आग

बचने के लिए एक व्यक्ति 10 मिनट तक ग्रिल से लटका रहा, 19वें फ्लोर से गिरकर मौत

साउथ मुंबई के करी रोड इलाके में शुक्रवार को एक 60 मंजिला बिल्डिंग में भीषण आग लग गई। इस घटना का एक दिल दहला देने वाला वीडियो सामने आया है। इसमें दिख रहा है कि एक व्यक्ति आग से बचने के लिए 19वें फ्लोर की ग्रिल से 10 मिनट तक लटका रहा। इसी दौरान उसका हाथ छूट गया और नीचे गिरने से उसकी मौत हो गई। वह इमारत का सिक्योरिटी इंचार्ज था।

फायर ब्रिगेड डिपार्टमेंट के मुताबिक करी रोड इलाके की अविघ्ना पार्क बिल्डिंग में आग सुबह 11 बजकर 51 मिनट पर लगी। सबसे पहले आग 19वें फ्लोर पर लगी।

कुछ ही देर में यह 17वें और 20वें फ्लोर तक फैल गई। तकरीबन ढाई घंटे बाद आग पर काबू पा लिया गया और एक घंटे तक कूलिंग चली है।

पता चला है कि अविघ्ना पार्क बिल्डिंग की इस इमारत का फायर सिस्टम दो साल से बंद था, लेकिन सोसाइटी ने इस बारे में BMC को कोई जानकारी नहीं दी थी। इसके बाद अब BMC ने इस मामले की जांच का आदेश दे दिया है।

आग लगने के बाद फ्लैट में पहुंचा था सिक्यूरिटी गार्ड

इस दुर्घटना में अरुण तिवारी नाम के सिक्यूरिटी गार्ड की मौत हुई है। जांच में सामने आया है कि आग लगने के बाद वह फ्लैट में घुसा था और आग भड़कने के बाद उसमें फंस गया था। वह जाना बचाने के लिए बालकनी में पहुंचा और वहां से उतरने के चक्कर में ग्रिल से लटक गया। इस दौरान वह लगातार जान बचाने का प्रयास करता रहा और तकरीबन 10 मिनट बाद गिर पड़ा। ऊंचाई से गिरने के बाद उसे KEM हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। मुंबई की मेयर किशोरी पेडनेकर ने कहा कि आग में फंसे सभी लोगों को सही सलामत बाहर निकाल लिया गया है। BMC कमिश्नर इकबाल सिंह चहल ने कहा कि आग पर काबू पा लिया गया है और कूलिंग का काम जारी है। हम इस मामले की जांच का आदेश दे चुके हैं। आग लगने की सूचना मिलते ही आसपास के फायर ब्रिगेड स्टेशनों से दमकल की 15 गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं और रेस्क्यू शुरू कर दिया। मुंबई की मेयर किशोरी पेडनेकर भी मौके पर पहुंची हैं।

देशमुख के खिलाफ मामले में जायसवाल 'संभावित आरोपी' हैं-महाराष्ट्र सरकार

मुंबई, महाराष्ट्र सरकार ने गुरुवार को बॉम्बे हाई कोर्ट को बताया कि सीबीआई डायरेक्टर सुबोध जायसवाल को राज्य के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख के खिलाफ

केंद्रीय एजेंसी की जांच में खुद को "संभावित आरोपी" माना जाना चाहिए। महाराष्ट्र सरकार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता डेरियस खंबाटा ने जस्टिस नितिन जामदार और जस्टिस एस वी कोतवाल की बेंच को बताया कि 2019 से 2020 के दौरान, जब जायसवाल राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) थे, तब वह पुलिस स्थापना बोर्ड का भी हिस्सा थे। खंबाटा ने कहा कि जायसवाल पुलिस अधिकारियों के तबादलों और तैनाती के फैसलों में शामिल थे, जिसकी जांच अब सीबीआई कर रही है। महाराष्ट्र सरकार ने सीबीआई द्वारा राज्य के मुख्य सचिव सीताराम कुंटे और राज्य के वर्तमान डीजीपी संजय पांडे को अनिल देशमुख के खिलाफ एजेंसी की जांच के संबंध में बयान दर्ज करने के लिए जारी समन को हाई कोर्ट के समक्ष चुनौती दी है।

जायसवाल ने दी थी मंजूरी खंबाटा ने कहा कि तबादलों और तैनाती की सिफारिशों को जायसवाल ने देशमुख के कार्यकाल के दौरान डीजीपी के रूप में अपनी क्षमता के अनुसार मंजूरी दी थी।

उन्होंने कहा कि पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख के कार्यकाल के दौरान किए गए राज्य पुलिस अधिकारियों के तबादलों और तैनाती की सीबीआई जांच चल रही है। सीबीआई ही एनसीपी नेता देशमुख के खिलाफ मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह के भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच कर रही है।

हर स्टूडेंट होगा सुरक्षा के दायरे में... मुंबई मनपा बना रही है सड़कों पर सेफ्टी जोन!

मुंबई, कोरोना संक्रमण के कमजोर होने के बाद मुंबई में पिछले डेढ़ वर्षों से बंद स्कूल एक बार फिर धीरे-धीरे शुरू हो रहे हैं। हालांकि, अभी ८वीं तक के स्कूल शुरू नहीं हुए हैं लेकिन सड़कों पर बढ़ रहे वाहनों और ट्रैफिक के बीच उन छात्रों की सेफ्टी को लेकर मनपा चिंतित है। ऐसे में मनपा ने डेंजर जोन सड़कों के किनारे बने स्कूलों में पढ़नेवाले छात्रों की सेफ्टी के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया है। स्कूल के ५०० मीटर दायरे के डेंजर जोन सड़क को सेफ्टी जोन में तब्दील करने का निर्णय लिया है। इसकी शुरुआत भायखला स्थित मिर्जा गालिब क्रिस्चन स्कूल के सामने सड़क को सेफ्टी जोन में बदलकर की गई है। मनपा के अनुसार यह पायलट प्रोजेक्ट है। सेफ्टी जोन बन जाने के बाद हर स्टूडेंट सुरक्षा के दायरे में होगा। यह पायलट प्रोजेक्ट सफल होने के बाद सभी स्कूलों के पास इसकी शुरुआत की जाएगी।

मनपा के पास मुंबई में २,६१० स्कूल हैं, जिनमें से कुल ७३१ अर्थात २८ प्रतिशत स्कूलों के सामने डेंजर जोन हैं। यहां स्कूल के सामने सड़क पर ट्रैफिक के साथ-साथ तेज गाड़ियां चलती हैं, तो फुटपाथ पर भी खतरा रहता है। इन स्कूलों के सामने वर्ष २०१७-१९ के बीच छात्रों के साथ कुल २३ दुर्घटनाएं हुईं और तीन बच्चों की मौत हो गई, जिसके बाद इन स्कूलों में अपने बच्चे भेजने के लिए अभिभावक अब डरने लगे हैं।

अन्य शहरों के लिए मॉडल साबित होगा

एक सर्वे के अनुसार मुंबई में ५७ प्रतिशत अभिभावक मानते हैं कि यहां सड़कों पर उनके बच्चे सुरक्षित नहीं हैं। लेकिन अब सेफ्टी जोन की पहल से कई लोगों की जान बचेगी। भारत के अन्य शहरों के लिए यह योजना एक मॉडल साबित होगी। मनपा के इस प्रोजेक्ट पर ट्रैफिक पुलिस, वर्ल्ड रिसोर्स इंस्टीट्यूट (डब्ल्यूआरआई), इंडिया रॉस सेंटर और ब्लूमबर्ग फिलैंथ्रॉपी इनिशिएटिव फॉर ग्लोबल रोड सेफ्टी संस्था मिलकर काम कर रही हैं।

ट्रैफिक के चलते स्कूलों के सामने की सड़कें सुरक्षित नहीं हैं। कई माता-पिता अपने बच्चों को अपने वाहनों से स्कूल ले जाते हैं। यह प्रयोग बेहतर साबित होगा।

– जमील शेख -अभिभावक

यहां पैदल चलनेवालों के लिए सड़कों को सुरक्षित बनाने पर जोर दिया गया है और हमें उम्मीद है कि ऐसा करने से समग्र सड़क दक्षता में सुधार होगा।

– के.एस. करे -पुलिस निरीक्षक

इस पायलट प्रोजेक्ट का सकारात्मक प्रतिसाद मिलने पर यातायात पुलिस, स्कूल प्रबंधन, स्थानीय लोगों की मदद से अन्य स्कूलों के सामने यह प्रोजेक्ट शुरू किया जाएगा।

– मनीष आर. वालंजू -सहायक आयुक्त, मनपा ई वॉर्ड

हमें मनपा के साथ मिलकर काम करने पर गर्व है क्योंकि वे बच्चों के लिए सुरक्षित सड़कों और सुरक्षित यातायात के लिए अपने प्रयास कर रहे हैं।

– के.एल. लार्सन ने, ब्लूमबर्ग परोपकार

खास डिजाइन

सड़क पर विशेष रूप से बच्चों के लिए सरल, सुरक्षित और अधिक आकर्षक डिजाइन बनाई गई है। पेंट, बैरिकेड्स और त्रिकोण डिजाइन के साथ बोर्ड लगाए गए हैं। रोड पर चमकनेवाले पेंट से फुटपाथ क्षेत्र, प्रतीक्षा जोन, पैरेंट्स के लिए पिक-अप और ड्रॉप जोन, खेलने और पैदल के लिए क्षेत्र की मार्विंâग की गई है। सड़क पार करने के लिए बोल्ड क्रॉसिंग डिजाइन भी बनाई गई है।

आफत में उत्तराखंड

उत्तराखंड में प्राकृतिक आपदाओं का सिलसिला जैसे थमने का नाम नहीं ले रहा। इस बार बारिश कहर बनकर टूटी है यहां के लोगों पर। पिछले चार दिनों से लगातार बारिश अपने आप में बड़ी आफत थी, लेकिन खासकर आखिरी 24 घंटों ने तो सारी कसर पूरी कर दी। इसका केंद्र रहा राज्य का अल्मोड़ा क्षेत्र। मौसम विभाग के मुक्तेश्वर और पंतनगर केंद्रों ने तो बाकायदा बताया कि उनके रेकॉर्ड में ऐसी बारिश अब तक दर्ज नहीं हुई थी। नतीजा, बारिश का यह पानी कई इलाकों में भीषण बाढ़ और बड़े पैमाने पर भूस्खलन की वजह बना। 46 लोगों की मौत का जो आंकड़ा आधिकारिक तौर पर बताया जा रहा है, वह तो सिर्फ उन लोगों की बात है, जिनके बारे में पता चल सका है। नैनीताल जैसा बड़ा पर्यटन केंद्र ही नहीं, राज्य के बहुत से इलाके बाकी दुनिया से कट चुके हैं। सड़कें, पुल और बड़ी संख्या में मकान भी धंस गए, टूट-फूट गए या बह गए। जाहिर है, ऐसी स्थिति में जान-माल के नुकसान का सटीक अंदाजा भी

तुरंत नहीं लगाया जा सकता। सही सूचनाएं आने और सरकारी तंत्र को दूरदराज के इलाकों तक पहुंचने में वक्त लगेगा। हालांकि जहां तक भी पहुंचना संभव है, वहां राहत और बचाव कार्य शुरू करने में देर नहीं की गई। तीन सौ से ज्यादा लोगों को बचा लिया गया है। लेकिन जितने लोग जहां-तहां फंसे हुए हैं, उनके मुकाबले यह संख्या बहुत कम है। फिलहाल संतोष की बात इस संदर्भ में कुछ है तो यही कि बारिश थम चुकी है और मौसम विभाग के मुताबिक बादलों ने दूसरी तरफ का रुख ले लिया है। यह बारिश वैसे भी उत्तराखंड तक सीमित नहीं थी, लेकिन फिर भी यह जितनी बड़ी विपदा यहां के लिए साबित हुई, उतनी अन्य राज्यों के लिए नहीं हुई। यह इस बात का एक और सबूत है कि पर्यावरण और प्राकृतिक संतुलन के लिहाज से उत्तराखंड अतिरिक्त रूप से संवेदनशील है और इसका खास तौर पर ध्यान रखे जाने की जरूरत है। हर बड़े हादसे के बाद दोहराए जाने के बावजूद विकास योजनाओं के स्वरूप में बदलाव के कोई संकेत नहीं दिखाई देते। बार-बार कहा जा चुका है कि चाहे चार धाम प्रॉजेक्ट हो या हाइड्रो इलेक्ट्रिक परियोजनाएं या इस तरह की अन्य विकास योजनाएं- इस पूरे इलाके की पारिस्थितिकी के लिहाज से ये बेहद खतरनाक हैं और इनके बजाय विकास का ऐसा ढांचा खड़ा करने की जरूरत है, जो जंगल काटने और पहाड़ के हिस्सों को डाइनामाइट से उड़ाने की ओर न ले जाए, बल्कि इनके साथ फल-फूल सके। दिक्कत यह है कि ये सुझाव भी हर बड़े हादसे के बाद निभाई जाने वाली औपचारिकता जैसे हो गए हैं। न तो निर्णयकर्ता इन्हें लेकर गंभीर हैं और न ठोस जनमत की ऐसी ताकत ही इनके इर्द-गिर्द खड़ी हो सकी है, जो निर्णयकर्ताओं को इसके लिए मजबूर करे।

चीन के खिलाफ तैयारी

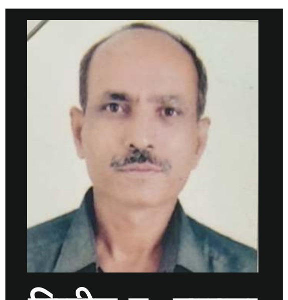

किरीट ए. चावड़ा

चीन की ओर से तात्कालिक और दीर्घकालिक चुनौतियों के मद्देनजर भारतीय सेना अरुणाचल प्रदेश के सीमावर्ती इलाकों में संरचनागत निर्माण का कार्य तेजी से आगे बढ़ा रही है। दरअसल, पिछले साल जून महीने में गलवान घाटी में हुई हिंसक झड़प के बाद से भारत और चीन के बीच विभिन्न स्तरों पर बातचीत लगातार चल रही है, कुछ बिंदुओं पर सहमति भी बनी, लेकिन इसके बावजूद दोनों पक्षों में तनाव कम नहीं हो पा रहा है। वास्तविक नियंत्रण रेखा पर 'यथास्थिति' बहाल करने को लेकर भी दोनों देशों के बीच विवाद अभी बने हुए हैं। इसी वजह से दोनों पक्षों के बीच अविश्वास भी बना हुआ है। 10 अक्टूबर को हुई सैन्य स्तर की 13वें दौर की बातचीत तो गतिरोध टूटने की कोई संभावना दिखाए बगैर ही समाप्त हुई। इसी बीच चीन ने उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू की अरुणाचल यात्रा पर ऐतराज जताकर यह संकेत भी दे दिया कि पूर्वी लद्दाख स्थित सीमाओं के साथ ही वह अरुणाचल प्रदेश के सीमावर्ती इलाकों पर विवाद खड़ाकर किसी भी समय इसे व्यापक रूप दे सकता है और अपनी सुविधा

के हिसाब से जब जहां चाहे तनावपूर्ण हालात बना सकता है। ऐसे में स्वाभाविक ही है कि भारतीय सेना अपने तईं पूरी सावधानी बरतते हुए चल रही है। जहां पूर्वी लद्दाख क्षेत्रों में करीब 50 हजार सैनिकों की तैनाती बरकरार रखी गई है, वहीं अरुणाचल प्रदेश की चीन से लगती सीमा पर निरंतर चौकसी के इंतजाम रखते हुए इन्फ्रास्ट्रक्चर निर्माण के काम को भी जोर-शोर से आगे बढ़ाया जा रहा है। ध्यान रहे कि अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम से लगी करीब 1350 किलोमीटर लंबी वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर नजर बनाए रखना अपने आप में खासा चुनौतीपूर्ण है। फिलहाल सैन्य तैनाती में खास इजाफा किए बगैर तकनीकी क्षमता बढ़ाते हुए इस कार्य को अंजाम दिया जा रहा है और इसमें यह स्थिति हासिल कर ली गई है कि दुश्मन किसी भी सूरत में हमें चौंका न पाए। जहां तक इन्फ्रास्ट्रक्चर की बात है तो इसमें रातोंरात कोई बड़ा बदलाव तो नहीं हो सकता, लेकिन बिना किसी शोर-शराबे के उस मोर्चे पर भी काम तेजी से आगे बढ़ रहा है। करीब 20 पुल, बड़ी संख्या में सुरंग और एयरबेस बनाने के अलावा कई महत्वपूर्ण इलाकों को सड़क से जोड़ने की योजना है। इसके अलावा तवांग को रेल से जोड़ने के प्रॉजेक्ट पर भी काम हो रहा है। सबसे बड़ी बात यह है कि इन सबके पीछे रिएक्टिव ऐप्रोच नहीं है। सेना दीर्घकालिक चुनौतियों के मद्देनजर अपनी जरूरतें समझते हुए तैयार की गई योजनाओं के अनुरूप काम कर रही है। निश्चित रूप से ये तैयारियां जहां हमारी सीमाओं को सुरक्षित बनाकर हमें निश्चिंत करेंगी, वहीं बुरा इरादा रखने वाली ताकतों को भी आगाह करेंगी कि अपनी भलाई को देखते हुए ही सही, पर वे कोई दुस्साहस न करें।

जिगर डी वाढेर

जम्मू-कश्मीर के विलय में पीछे नहीं थे सरदार

कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में जम्मू-कश्मीर से कार्यसमिति के सदस्य तारिक हामिद कर्रा ने जिस तरह सरदार पटेल की आलोचना करते हुए कहा कि कश्मीर पर वह उदासीन थे और यह कि पंडित जवाहरलाल नेहरू ने त्वरित पहल नहीं की होती तो वह पाकिस्तान के कब्जे में चला जाता, उससे ज्यादा दुर्भाग्यपूर्ण कुछ नहीं हो सकता। हैरत की बात है कि तारिक हामिद ने जब बोलना शुरू किया तो किसी ने उन्हें टोका तक नहीं। हां, उनके बोलने के बाद कुछ सदस्यों ने जरूर कहा कि ऐसी बात नहीं करनी चाहिए क्योंकि सरदार पटेल हैदराबाद से लेकर जूनागढ़ तक के देसी रियासतों के विलय को अंजाम दे रहे थे। बेतुका आरोप पटेल जैसे व्यक्ति पर कश्मीर के प्रति उदासीन होने का आरोप लगाना उनके संपूर्ण व्यक्तित्व को ही कटघरे में खड़ा करना है। हालांकि लंबे समय से एक तबका यह साबित करने का प्रयास करता रहा है कि पटेल जम्मू-कश्मीर को भारत में रखना ही नहीं चाहते थे। सर्वपल्ली गोपाल ने पं. नेहरू की आत्मकथा पुस्तक में यही साबित करने का प्रयास किया था। राजेंद्र सरीन ने अपनी पुस्तक 'पाकिस्तान- द इंडिया फैक्टर' में लिखा है कि पटेल ने पाकिस्तान के मंत्री सरदार अब्दुल रब निश्तार से बात करते हुए कहा कि 'भाई, हैदराबाद और जूनागढ़ पर बातचीत छोड़ो...। कश्मीर ले लो और मुद्दे को सेटल करो।' सरीन ने पाकिस्तान संविधान सभा के एक सदस्य सरदार शौकत हयात को उद्धृत किया है, जो उनके अनुसार लॉर्ड माउंटबेटन और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री लियाकत अली के बीच बातचीत के समय उपस्थित थे। इसके अनुसार माउंटबेटन ने लियाकत अली को पटेल का यह संदेश दिया कि पाकिस्तान हैदराबाद से बाहर हो जाए तो भारत कश्मीर छोड़ देगा। इसके अनुसार जून 1947 में माउंटबेटन ने कश्मीर के महाराजा हरि सिंह से कहा कि अगर वह पाकिस्तान में विलय कर लेते हैं तो भारत इसका विरोध नहीं करेगा, हमें पटेल ने स्वयं इसके लिए आश्वस्त किया है। गृहमंत्री, सूचना व प्रसारण मंत्री और राज्यों से संबंधित मामलों का मंत्री होने के नाते सरदार पटेल जम्मू-कश्मीर मामले को भी देखते थे। बाद में जम्मू-कश्मीर मामले को प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू स्वयं देखने लगे। जम्मू-कश्मीर के प्रधानमंत्री पं. रामचंद्र काक को 3 जुलाई, 1947 को लिखे पत्र में पटेल कहते हैं, 'मैं कश्मीर की विशेष कठिनाइयों को समझता हूं, किंतु इतिहास और पारंपरिक रीति-रिवाजों आदि को ध्यान में रखते हुए मेरे विचार से जम्मू-कश्मीर के भारत में विलय के अतिरिक्त कोई अन्य विकल्प ही नहीं है।' भविष्य का ध्यान रखते हुए सरदार पटेल ने महाराजा हरि सिंह के साथ अच्छे संबंध बनाए थे और उन्हीं की सलाह से महाराजा ने पंजाब उच्च न्यायालय के न्यायाधीश मेहरचंद महाजन को

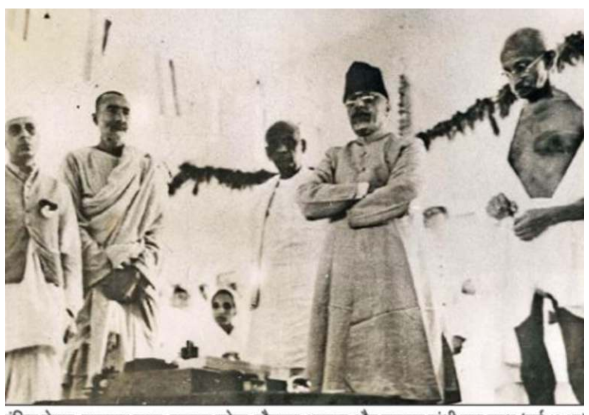

पंडित नेहरू, बादशाह खान, सरदार पटेल, मौलाना आजाद और महात्मा गांधी एक साथ (वर्ष 1947)

रामचंद्र काक की जगह प्रधानमंत्री नियुक्त किया था। जम्मू-कश्मीर के सामरिक महत्व को देखते हुए सरदार पटेल उसका भारत में विलय चाहते थे। माउंटबेटन ने जरूर यह आश्वासन दिया कि यदि कश्मीर पाकिस्तान के साथ विलय करना चाहे तो भारत समस्या खड़ी नहीं करेगा। सरदार पटेल ने ऐसा आश्वासन नहीं दिया था। बस, योजनाबद्ध तरीके से वह चुप रहे क्योंकि उस समय यही समयोचित था। आगे स्वयं कांग्रेस के नेताओं ने यह मत प्रकट किया कि सरदार पटेल को कश्मीर समस्या सुलझाने की अनुमति दी जाती तो हैदराबाद की तरह यह समस्या भी स्थायी रूप से सुलझ जाती। सरदार पटेल ने एच.वी. कामत को बताया था कि 'यदि जवाहरलाल नेहरू और गोपालस्वामी आयंगर कश्मीर मुद्दे पर हस्तक्षेप न करते और उसे गृह मंत्रालय से अलग न करते तो मैं हैदराबाद की तरह ही इस मुद्दे को भी देश-हित में सुलझा लेता।'

जब स्पष्ट हो गया कि पाकिस्तानी कश्मीर में घुसैपठ करने जा रहे हैं और सेना को भी घुसाने की योजना है तो 27 सितंबर, 1947 को नेहरू जी ने सरदार से कहा, 'मैंने प्रधानमंत्री महाजन को भी परिस्थिति से अवगत करा दिया है, किंतु उनके मन में क्या है इसका पता नहीं चल सका है। महाराजा और महाजन के लिए आपकी सलाह अधिक प्रभावी रहेगी।' सरदार पटेल ने महाराजा हरि सिंह और प्रधानमंत्री महाजन को समझाया कि आपके पास भारतीय संघ में विलय का ही विकल्प है। इस बीच समाचार मिला कि पाकिस्तानी हमलावरों ने कुछ क्षेत्रों पर अधिकार कर लिया है और आगे बढ़ रहे हैं। भारत सरकार ने इस पर सेना को कश्मीर भेजने का निर्णय लिया। सेना भेजने के निर्णय में पटेल की भूमिका को नकारा जाता है। एस. गोपाल ने लिखा है कि सेना भेजने का निर्णय मंत्रिमंडल का था। हालांकि लगभग पूरा मंत्रिमंडल अनिर्णय की स्थिति में था। बक्शी गुलाम मोहम्मद शेख अब्दुल्ला के सहायक थे और दिल्ली की बैठक में उपस्थित थे। वह लिखते हैं कि 'लॉर्ड माउंटबेटन की अध्यक्षता में हुई बैठक में पंडितजी, सरदार पटेल, रक्षा मंत्री सरदार बलदेव सिंह, ब्रिटिश कमांडर-इन-चीफ सर राय बुकर, कमांडर-इन-चीफ जनरल रसेल, आर्मी कमांडर और मैं उपस्थित थे। जनरल बुकर ने जोर देकर कहा कि उनके पास संसाधन इतने कम हैं कि राज्य को सैनिक सहायता देना संभव नहीं। माउंटबेटन ने निरुत्साहपूर्ण झिझक दर्शाई। पंडितजी ने तीव्र उत्सुकता और शंका प्रकट की।

कश्मीर को भारत में नेहरू ने मिलाया या पटेल ने? क्यों पैदा हुआ विवाद, क्या जिन्ना के साथ थी देश के पहले डिप्टी पीएम की साठगांठ दो टूक फैसला बक्शी के अनुसार पटेल चुपचाप सब कुछ सुन रहे थे। सहसा सरदार हिले और कठोर एवं दृढ़ स्वर में अपना विचार व्यक्त किया, 'जनरल हर कीमत पर कश्मीर की रक्षा करनी होगी। संसाधन हैं या नहीं, आपको यह तुरंत करना चाहिए। सरकार आपकी हर प्रकार की सहायता करेगी। यह अवश्य होना और होना ही चाहिए।' जनरल के चेहरे पर उत्तेजना के भाव दिखाई दिए। जनरल की इच्छा आशंका जताने की रही होगी, किंतु सरदार चुपचाप उठे और बोले, 'हवाई जहाज से सामान पहुंचाने की तैयारी सुबह तक कर ली जाएगी।' इस तरह जम्मू-कश्मीर की रक्षा सरदार पटेल की चारित्रिक दृढ़ता और त्वरित निर्णय लेने और सबको निर्णय के साथ रहने के लिए तैयार करने की उनकी क्षमता के कारण संभव हो सकी। वह हर हाल में जम्मू-कश्मीर का भारत में विलय चाहते थे

क़ानूनों के कान में, ठोंक जिरह की कील...

भूपेन्द्र पटेल

बचपन में पढ़ी दो पंक्तियों की कविता अबतक याद रह गयी है जिसकी दूसरी पंक्ति फिर कभी...। वर्तमान काल में देश के कानूनों में विभिन्न प्रकार के विषयों पर केंद्रीय और राज्य विधायिका द्वारा बनाए क़ानून, अलग-अलग धर्मों के क़ानून और न्यायालयों द्वारा परिभाषित, कार्यपालिका द्वारा अधिसूचनाओं या गज़ट से लागू किए गए असंख्य नियम – क़ानून शामिल हैं। देश का संविधान विश्व का सबसे लम्बा संविधान है जिसमें 25 भाग, 448 धाराएँ और 12 अनुसूचियाँ हैं। आयकर अधिनियम करीब इतना ही लम्बा-चौड़ा है।

किसी एक तारीख पर सभी कानूनों की सही – सही या निश्चित संख्या बताना कठिन है। फिर भी, विकीपीडिया में 'इंडियन नम्बर्ड एक्ट्स' के सन्दर्भ अनुसार जनवरी 2017 में देश में 1248 क़ानून थे। केंद्रीय और राज्य विधायिका द्वारा 1838 से लेकर अभीतक पारित 993 कानून हैं। इससे देश के नागरिकों पर पड़ने वाले मानसिक दबाव और अपीलीय अधिकरणों तथा अदालतों पर पड़नेवाले कार्यभार का सहज अनुमान लगाया जा सकता है। इतने सारे असंख्य नियम-क़ानून तो जीवन दुश्वार करने के लिए काफी होंगे। इन्हें कम करने और चुस्त-दुरुस्त बनाने की बजाय ऊपर से और भी नित नए क़ानून बनते चले जा रहे हैं। कोई आश्चर्य नहीं कि नियम पालन करनेवालों की अपेक्षा नियम तोड़नेवालों की तायदाद काफी है। गिनती में असंख्य और विस्तृत होने के साथ इन कानूनों की भाषा पर जटिल, उलझी हुई और अस्पष्ट होने का भी आरोप लगता रहा है जिसके कारण अदालतों को टिप्पणी देकर क़ानून की व्याख्या करनी पड़ती है। हमारे देश के कानूनों पर प्राचीन मनुस्मृति, मुस्लिम शासन और ब्रिटिश राज की गहरी छाप देखी जा सकती है। मनुस्मृति के नियम संस्कृतनिष्ठ, पुरुषवादी, महिला- विरोधी तथा जातिगत पक्षपात के कारण पहले से ही जटिल माने जाते हैं। ऊपर से मुस्लिम शासन ने उर्दू- फारसी के शब्द भरकर और अंग्रेजी शासन ने ग्रीक – लैटिन के जटिल शब्दों से भरी लच्छेदार भाषा की जलेबी परोस दी है। कुल मिलाकर इन सब कारकों ने भारत की न्यायिक प्रक्रिया को इतना जटिल, कठिन, लम्बा और निराशाजनक बना दिया है कि न्याय के मंदिर का मुसाफिर वर्षों तक यात्रा करने के बाद भी अपनी मंजिल तक पहुँच पाने में अक्सर या तो थककर निढाल हो जाता है या दीन- हीन और कंगाल हो जाता है। क़ानून का डर अच्छी बात है मगर न्याय न मिलने या बहुत देर होने की आशंका नागरिकों के मानसिक स्वास्थ्य के लिए ठीक नहीं है। बड़ी विषम परिस्थिति है – देश का प्रसन्नता सूचकांक विश्व स्तर पर बहुत कम होने का यह भी एक बड़ा कारण है। कानूनी – तकनीकी विषयों पर ग्रन्थ तो बहुत हैं मगर कानूनी विषयों का अपना शब्दकोष, व्याकरण और साहित्य होता है। कानूनी साहित्य में अंग्रेजी भाषा और सैकड़ों लैटिन- ग्रीक शब्द-खण्ड हैं। उन्हें समझ पाना अच्छे-अच्छों के लिए आसान नहीं। ऊपर से बहुत सारे न्यायिक आदेशों के सैंकड़ों पन्नों को समझना-समझाना या कार्यान्वित करना सचमुच एक गंभीर चुनौती है। विधायिका क़ानून बनाकर अपना कर्तव्य पूरा कर देती है। अब कार्यपालिका इन्हें लागू करती है तो जनता की ओर से न्यायपालिका में याचिका (रिट) दायर हो जाती है... 200 पृष्ठ के मोटे संलग्नक के साथ 20 पृष्ठ की याचिका जिसके 30-35 अनुच्छेदों में अधिकांश सामग्री निहायत उबाऊ, दुहराई हुई और निरर्थक होती है जिसका कोई औचित्य नहीं। फिर भी बेचारे दफ्तर के बाबू के लिए मोटा चश्मा लगाकर पूरा पढ़ना अति आवश्यक होता है।

कागज़ के मोटे थुल -थुल पुलिंदे को पूरा पढ़ने के बाद ही बेचारा बाबू निर्णय कर पाता है कि वह याचिका व्यर्थ थी या नहीं। फिर पूरा न पढ़ पाने पर डर है कि 'पैरावाईज कमेन्ट' यानी याचिका के हर अनुच्छेद पर अपनी टिप्पणी देने वक्त कहीं कोई जरूरी तथ्य छूट गया तो गंजे सिर पर भारी मुसीबत ! घंटों की मेहनत के बाद याचिका में से दो- चार पंक्तियाँ ही काम की निकलती हैं। उनपर उस बाबू को बड़े – बड़े उत्तर लिखने होते हैं, जैसे- इतिहास-दर्शनशास्त्र की स्नातकोत्तर परीक्षा के उत्तर लिखे जाते हैं। उसे लगता है कि उसके बिना वह न्यायपीठ के सामने विद्वान् नहीं समझा जाएगा। क़ानून की ऐसी हालत अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी है। हर वकील या अकाउंटेंट अपनी ओर से यही कहता है कि कागजी दलीलों का मोटा पुलिंदा अंतर्राष्ट्रीय स्तर के हिसाब से तैयार किया गया है। क्या अधिवक्ता होने के लिए अधिकवक्ता होना आवश्यक है ? कहते हैं, ऊपर वाले की चक्की धीमी मगर पीसती अवश्य है... और क़ानून की चक्की भी। यदि दुनिया भर में क़ानून साफ़- साफ़ और कम शब्दों में लिखा- पढ़ा जाता तो अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हर अदालत में मामले जल्दी सुलझ जाते और तारीख पर तारीख नहीं पड़ती। हवालात में बंदी जल्द न्याय पाते और उनके घरवाले सामान्य जीवन जी पाते। धरती पर जीवन जीने लायक होता। न्यायालयों में अनावश्यक मामले इतने भर गए हैं कि आवश्यक मामलों की सुनवाई भी प्रभावित हो रही है। एक तो निर्णायकों की संख्या सीमित, ऊपर से धरती पर संभव सारे संगत और असंगत विषय उच्च न्यायालयों में 'रिट' नामक बाढ़ बनकर भर जाते हैं जिन्हें दाखिल करने की फीस, वकील की फीस खर्च होने और दीर्घकालिक न्यायिक जाँच-प्रक्रिया से गुजरने के बाद ही इस निष्कर्ष पर पहुँचा जा सकता है कि वे सब मामले व्यर्थ थे और उनके ऊपर ध्यान देने की कोई आवश्यकता नहीं थी। मगर इतने समय की बर्बादी के बाद न्यायपालिका और कार्यपालिका के साथ न्याय कहाँ हुआ ? उधर कानून के कान में जिरह की लम्बी कील ठोंकने की मोटी – तगड़ी फीस तो काले लबादे वाले अधिवक्ता ने जनता से वसूल ही ली। न्यायालयों में अनावश्यक मामलों की बाढ़ को देखकर कई बार ये ख़याल आता है कि न्यायपालिका के साथ भी न्याय नहीं हो पा रहा।

जब हम देश में क़ानून के पालन की बात करते हैं तो उसका स्वरूप भी सरल और अनुपालन करने के लिए उपयुक्त होना आवश्यक है। देश में प्रचलित क़ानून की भाषा का उद्देश्य क़ानून के साहित्यिक पांडित्य का प्रदर्शन नहीं बल्कि समस्या का जल्दी समाधान और नीर-क्षीर न्याय का होना चाहिए (दूध और पानी को अलग करना)। अपीलों की ही तरह न्यायिक आदेश भी आकार में छोटे तो बहुत कम ही होते हैं। अधिकांश न्यायिक आदेश को लिखने में एक विद्वतापूर्ण थीसिस या रिसर्च – पेपर लिखने जैसी मेहनत लगती है क्योंकि कई दूसरे आदेशों के साथ तुलनात्मक व्याख्या भी करनी होती है जो उस मामले पर लागू होते हैं। कई अन्य न्यायिक आदेश समान परिस्थिति वाले होते हैं जिन्हें साथ लेकर चलना होता है। इसी प्रकार, वादी और प्रतिवादी (मुद्दई और मुदालहम या मुकदमा करनेवाला और बचाव पक्ष) द्वारा अपने पक्ष में कई आदेशों की दुहाई देने पर उन्हें अच्छी तरह परखकर न्यायालय द्वारा खारिज या अस्वीकृत भी करना पड़ सकता है। इस नीर – क्षीर न्याय को सुनिश्चित करने के क्रम में दूसरे अन्य आदेशों के आवश्यक अंशों को उद्धृत भी करना होता है जिससे आदेश का कलेवर लम्बा – चौड़ा बन जाता है। इन बड़े-बड़े आदेशों को पढ़ना और उस आदेश से निर्णायक अंश निकालकर समझना-समझाना आम जनता तो क्या, कई पढ़े-लिखे लोगों के लिए मुश्किल हो जाता है। लम्बे – चौड़े न्यायिक आदेशों की देखा- देखी कार्यपालिका में भी लम्बे- चौड़े आदेश पकने लगते हैं जो जनता के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकते हैं। अतः न्यायपालिका कृपा कर अपने आदेश संक्षिप्त रखे तो हुक्म की तामील करनेवाले बन्दों के दिल को भी करार आ जाए और वे भी छोटे और सटीक आदेश बनाने लगें !

साथ ही, अदालत में आवेदन भी संक्षिप्त फॉर्म के रूप में कुछ ही पृष्ठों का रखा जाए और सबूत के लिए केवल महत्त्वपूर्ण संलग्नक सीडी के रूप में लगाए जाएँ। प्रतिवादी द्वारा उनका उत्तर भी संक्षिप्त और कुछ ही पृष्ठों का हो।

पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख हनीमून पर गए हैं क्या? अमृता फडणवीस का ठाकरे सरकार से सवाल

मुंबई, महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और मौजूदा नेता विपक्ष देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस ने एक बार फिर से महाविकास अघाड़ी सरकार पर जोरदार हमला किया है। अमृता ने महाराष्ट्र सरकार पर तंज कसते हुए पूछा है की पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख और मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह हनीमून मनाने गए हैं क्या? दरअसल परमबीर सिंह (और अनिल देशमुख दोनों ही फिलहाल जांच एजेंसियों की पहुंच से दूर है और तमाम कोशिशों के बावजूद वह सामने नहीं आ रहे हैं। अमृता ने ड्रग्स के खिलाफ एनसीबी की कार्रवाई का जमकर समर्थन भी किया है।

मनीषा कायन्डे का अमृता को जवाब अमृता फडणवीस को जोरदार जवाब देते हुए शिवसेना नेता और प्रवक्ता मनीषा कायंदे ने कहा कि अब उन्हें बीजेपी का विधायक बनना है, इस वजह से वो परेशान हैं। जहां तक बात अनिल देशमुख के लापता होने की है तो सारी जांच एजेंसियां आपके पास हैं, ढूंढ लीजिए उन्हें। मनीषा ने कहा कि सामना संपादकीय में बीजेपी पर हो रहे हमले से अमृता फडनवीस की तबियत खराब हो गई है।

क्या बोलीं अमृता फडनवीस

मीडिया से बात करते हुए अमृता फडनवीस ने कहा कि लोग यहां ड्रग्स लेकर घूमते हैं। यह ड्रग्स उन्हें किसने दिया कहां से आया? इन सबकी जानकारी होनी चाहिए। जांच एजेंसियों को इसपर काम करना चाहिए कि नहीं? महाराष्ट्र को प्रगति के पथ पर आगे बढ़ाना है या फिर उसे एक ड्रग्स कैपिटल बनाना है, इसे आपको ही तय करना होगा। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को जेल में डालो यह मुझे सही नहीं लगता। बल्कि उन्हें सुधारगृह की ज्यादा जरूरत होती है। लेकिन इसके पहले यह ड्रग्स आया कहां से? इसकी पूरी चेन और नेटवर्क का भी पता चलना बहुत जरूरी है।

- *अमृता फडनवीस का महाराष्ट्र सरकार पर जोरदार हमला*
- *अनिल देशमुख और परमबीर सिंह के जरिये साधा निशाना*
- *मनीषा कायंदे ने कहा अमृता फडनवीस को अब विधायक बनना है*

रोजाना 30 हजार लोग खरीद रहे रेलवे पास, दो महीने में बढ़े 22 लाख यात्री

मुंबई, देशभर में सौ करोड़ लोगों को वैक्सीन लग चुकी है, लेकिन वैक्सीन का महत्व मुंबईकरों के लिए शायद ओरों की तुलना में कई अधिक है। दो महीने पहले राज्य सरकार ने 2 डोज ले चुके यात्रियों को लोकल में सशर्त मंजूरी दी थी। 11 अगस्त से पहले लोकल में करीब 26 लाख यात्री रोजाना चल रहे थे। इसके अलावा, हाल में 18 साल तक के युवाओं और मजबूरन टीका नहीं लगा रहे लोगों को भी सशर्त अनुमति दी है। इस नई श्रेणी को जोड़ने के बाद लोकल में यात्रियों की संख्या 50 लाख के पार हो चुकी है। सामान्य यात्रियों की संख्या ज्यादा पिछले महीने गणेशोत्सव के दौरान 10 दिन में ही पश्चिम रेलवे पर पंजीकृत यात्रियों ने करीब एक लाख सीजन टिकट खरीदे, जबकि इस दौरान मध्य रेलवे पर करीब ढाई लाख यात्रियों ने सीजन टिकट लिए। लॉकडाउन के बाद लोकल ट्रेनों में केवल अतिआवश्यक सेवाओं से जुड़े लोगों को यात्रा की अनुमति थी, अब विशेष श्रेणी से ज्यादा सामान्य यात्री हो गए हैं।

गीतकार जावेद अख्तर मानहानि की शिकायत दूसरे कोर्ट में स्थनांतरित नहीं

मुंबई। महानगर की स्थानीय अदालत ने फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत के उस आवेदन को खारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने गीतकार जावेद अख्तर की ओर से अंधेरी कोर्ट में की गई आपराधिक मानहानि से जुड़ी शिकायत को दूसरी कोर्ट में स्थनांतरित करने की मांग की थी। रनौत ने पिछले सप्ताह इस विषय पर चीफ मेट्रोपालिटिन मजिस्ट्रेट के सामने आवेदन दायर किया था। इसके साथ ही रनौत ने अपने वकील के माध्यम से कहा था कि उनका अंधेरी कोर्ट से भरोसा उठ गया है। क्योंकि इस कोर्ट ने अप्रत्यक्ष रुप से उपस्थित न होने पर वारंट जारी करने की बात कहके उन्हें धमकाया है। इसलिए गीतकार अख्तर की ओर से की गई आपाराधिक मानहानि की शिकायत को दूसरी कोर्ट में स्थनांतरित कर दिया जाए। वहीं गीतकार अख्तर ने अपने वकील के मार्फत रनौत के इस आवेदन को लेकर कोर्ट को दिए गए लिखित जवाब में दावा किया था कि रनौत का मानहानि की शिकायत को दूसरी कोर्ट में स्थनांतरित करने से जुड़ा आवेदन सारहीन है। इसमें कोई दम नहीं है। इसे सीधे खारिज कर दिया जाए। यह सिर्फ मामले की सुनवाई में देरी करने के इरादे से दायर किया गया है। अख्तर के इस जवाब व मामले से जुड़े दोनों पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने रनौत के आवेदन को खारिज कर दिया।

पातुर्डा की सेन्ट्रल बैंक में शॉर्ट सर्किट से लगी आग

संग्रामपुर(बुलढाणा)। पातुर्डा के सेंट्रल बैंक शाखा में अचानक शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी। समय पर आग पर काबू पाने व वहां के नागरिकों की सतर्कता के कारण बड़ा अनर्थ टल गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार सेट्रल बैंक ऑफ इंडिया पातुर्डा बु के प्रकाश दवे के मालकी की जगह में है। अचानक शॉट सर्किट से बैंक के भीतर आग लगी, कुछ ही देर में आग ने उग्र रूप धारण कर लिया। यह घटना बैंक के सामने रहने वाले अजय व्यास को नजर आया। उन्होंने बैंक के कर्मचारी गजानन देवकर को तुरंत इसकी जानकारी देकर वहां बुलाया। पश्चात बैंक खोलकर परिसर में रहने वाले अजय व्यास, प्रकाश दवे, कुशल दवे, योगेश तायडे, रमण सेवक, लातीश भुतडा ने प्रयास कर आग पर काबू पाया। खबर लिखे जाने तक किसी भी तरह का पंचनामा न होने से कितने रूपयों का नुकसान हुआ, यह पता नहीं चल सका।

6 ठिकानों पर छापेमारी, आधी रात पेडलर युवक से पूछताछ... क्रूज पर ड्रग्स पार्टी मामले में NCB का ताबड़तोड़ ऐक्शन

मुंबई, मुंबई में ड्रग्स कारोबार को लेकर नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) लगातार ऐक्शन में है। मुंबई में एक 24 वर्षीय ड्रग पेडलर से गुरुवार देर रात पूछताछ की गई। क्रूज लाइनर ड्रग केस में यह पेडलर मुख्य आरोपी बताया जा रहा है। एनसीबी के बयान के अनुसार, ड्रग तस्कर का नाम मामले में कथित 'ड्रग चैट' से सामने आया है। बयान में कहा गया, 'नशीले पदार्थों के तस्कर को क्रूज ड्रग्स मामले में पूछताछ के लिए एनसीबी कार्यालय लाया गया था।'

6 ठिकानों पर छापेमारी

सूत्रों ने कहा कि इस बीच, एनसीबी ने पिछले दो दिनों में क्रूज ड्रग्स मामले में मुंबई और आसपास के इलाकों में 6 जगहों पर छापे मारी की और तलाशी ली हैं। जिन इलाकों में ये तलाशी ली गई, उनमें नवी मुंबई, साउथ मुंबई, नालासोपारा, इंटरनेशनल एयरपोर्ट, बांद्रा और जुहू शामिल हैं। बताया जा रहा है कि एनसीबी को इस ठिकानों पर कई और सबूत मिले हैं। 2 अक्टूबर को हुआ था खुलासा एनसीबी की एक टीम ने कॉर्डेलिया क्रूज जहाज पर एक कथित ड्रग्स पार्टी का भंडाफोड़ किया था। यह ड्रग्स पार्टी 2 अक्टूबर को गोवा जा रहे क्रूज पर बीच समुद्र में आयोजित की गई थी।

शिवसेना को मराठी बाण से घायल कर रही बीजेपी

मुंबई, जैसे-जैसे बीएमसी चुनाव नजदीक आ रहा है, वैसे-वैसे बीजेपी सत्ताधारी शिवसेना पर मराठी मुद्दे को उठा कर जोरदार हमले कर रही है। बीएमसी में सचिव पद पर मराठी को दरकिनार करने, आश्रय योजना से मराठी कॉन्ट्रैक्टर को बाहर करने, घाटकोपर-मानखुर्द लिंक फ्लाइओवर को छत्रपति शिवाजी महाराज नाम देने में देरी करने व अब परियोजना प्रभावितों को घर के बदले पैसे देने की योजना को बीजेपी ने मराठी विरोधी करार दिया है। हाल में इन मुद्दों पर बीजेपी ने शिवसेना पर तीखा प्रहार किया है। बीजेपी बीएमसी चुनाव से पहले यह साबित करने में लगी है कि शिवसेना, हिंदीभाषी ही नहीं, मराठी विरोधी भी है। बीजेपी प्रवक्ता भालचंद्र शिरसाट ने आरोप लगाया कि शिवसेना की एक भी योजना मराठियों के हित की नहीं है। बीएमसी में सचिव पद पर योग्य मराठी अधिकारी को दरकिनार कर शिवसेना ने दूसरे अधिकारी को बैठा दिया, जबकि नियम के अनुसार मराठी महिला अधिकारी को उस पद पर होना चाहिए था। इसी तरह, 1 अगस्त 2021 को मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने घाटकोपर-मानखुर्द लिंक फ्लाइओवर का उद्‌घाटन किया। स्थापत्य समिति ने ब्रिज का नाम छत्रपति शिवाजी महाराज देने का प्रस्ताव भी पास कर दिया। लेकिन, शिवसेना ने लिस्टिंग होने बाद भी प्रस्ताव को आज तक रोक कर रखा है, जबकि आज तक शिवसेना छत्रपति शिवाजी महाराज के नाम पर ही राजनीति करती आई है। परियोजना प्रभावितों के लिए जो प्रस्ताव शिवसेना ने बहुमत के बल पर पास किया है, वह मराठी विरोधी है, क्योंकि झोपड़ों के बदले घर न देने से ज्यादातर मराठी मुंबई से बाहर हो जाएंगे। जो दर तय की गई है, उसमें उस एरिया में कोई दोबारा झोपड़ा नहीं खरीद पाएगा। बीएमसी इस तरह की योजनाओं के जरिए धीरे-धीरे मराठियों को मुंबई से बाहर कर रही है। यह एक सोची-समझी रणनीति के तहत हो रहा है। शिवसेना का मराठी विरोध यहां तक पहुंच गया है कि आश्रय योजना में एक मराठी कॉन्ट्रेक्टर को बाहर करने के लिए दो प्रॉजेक्ट को वापस ले लिया गया है। बता दें कि बीएमसी ने सफाई कर्मचारियों के लिए 9 स्थानों पर बनी चॉल को आश्रय योजना के तहत विकास करने का निर्णय लिया है। इन प्रॉजेक्ट में से प्रभादेवी और माहिम प्रॉजेक्ट को बीएमसी प्रशासन ने वापस लेने का निर्णय लिया है। इस प्रॉजेक्ट के लिए मराठी बिल्डर ने टेंडर भरा था। 'मराठी बिल्डर से छीना काम' बीजेपी नेता भालचंद्र शिरसाट ने आरोप लगाया कि सफाई कर्मचारियों का घर बनाने के लिए एक मात्र मराठी बिल्डर आगे आया था। शिवसेना ने अपने फायदे के लिए मराठी बिल्डर को काम न मिले, इसके लिए काम रोक दिया। वहीं, हर समय शिवसेना मराठियों के भलाई की बात करती है। शिवसेना के इस निर्णय से सफाई कर्मचारी जो कि माहिम और प्रभादेवी में रह रहे हैं, उन्हें अब बड़े घर के लिए और इंतजार करना पड़ेगा। बीएमसी में बीजेपी गुट नेता प्रभाकर शिंदे ने कहा कि आश्रय योजना के लिए मराठी बिल्डर के प्रस्ताव में कोई खामी न होने के बावजूद शिवसेना ने मनमानी करते हुए उसे प्रशासन के पास वापस भेज दिया, जिससे बीएमसी प्रशासन ने प्रस्ताव को वापस लेने का कदम उठाया है।

आरोपी को पुलिस ने उत्तराखंड से किया गिरफ्तार

चिखली(बुलढाणा)। स्कूटी की डिक्की फोड़कर साढ़े चार लाख की राशि अज्ञात आरोपी ने चुराने की घटना स्थानीय वारे पेट्रोल पंप के पास घटी थी। इस घटना को अंजाम देकर फरार हुए आरोपी को उत्तराखंड राज्य से गिरफ्त में लेने में चिखली पुलिस को सफलता मिली है। आरोपी उत्तराखंड का ही निवासी है।आरोपी संजय सिंह उर्फ बद्दु उमाशंकर करवाल (30), निवासी राजगड, जिला मिर्झापुर, उत्तराखंड को हल्दानी, नैनिताल में चिखली पुलिस ने 19 अक्टूबर को गिरफ्त में लिया। आरोपी से माल जब्त किया गया है। संजय सिंह के खिलाफ अन्य राज्य में भी अपराध दर्ज होने की जानकारी चिखली पुलिस ने दी। ग्राम सावरगांव डुकरे निवासी सेवानिवृत्त ग्रामविकास अधिकारी अशोक लामखेडे (62) ने चोरी के मामले में चिखली पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने जांच में गुप्त जानकारी पर आरोपी को हिरासत में लिया है।

चोरी की 4 मोटर साइकिल समेत दो आरोपी गिरफ्तार

वाशिम। वाशिम शहर पुलिस के डीबी दल ने गोपनीय सूचना के आधार पर दो मोटर साइकिल चोरों को गिरफ्तार कर उनके कब्ज़े से एक लाख 30 हज़ार रुपए मूल्य की चोरी की 4 मोटर साईकिलें भी जब्त की है । वाशिम शहर पुलिस के थानेदार धृवास बावनकर ने उपरोक्त जानकारी देते हुए बताया की 3 वर्ष पूर्व 28 जून 2018 को वाशिम के गंगू प्लाट निवासी शेख मुजीब शेख बाबा (33) ने शहर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी की 26 जून 2018 की रात को उनके घर के सामने से उनकी एचएफ डिलक्स मोटर साइकिल क्रमांक एमएच 37 एक्स 3045 अज्ञात चोर चुराकर ले गया । मामले में वाशिम शहर पुलिस द्वारा भादंवि की धारा 379 के तहत अपराध दर्ज कर अज्ञात चोर की तलाश की जा रही थी की इस बीच 16 अक्टूबर 2021 को स्थानीय बड़ा गवलीपुरा निवासी आरोपी शिवाजी अशोक जाधव (23) को उक्त चोरी की मोटर साइकिल समेत हिरासत में लेकर पूछताछ की गई । जांच के दौरान उसने गंगू प्लाट से और तीन मोटर साइकिलें चुराने की बात कबूली । जिसमें से दो मोटर साइकिल बुलडाणा जिले के सिंदखेडराजा के विलास बाबूराव जाधव को तो एक मोटर साइकिल यवतमाल जिले के उमरखेड में जहां वह काम करता था वहाँ रखने की जानकारी दी । आरोपी के कहे अनुसार सिंदखेडराजा से आरोपी विलास बाबुराव जाधव के पास से एचएफ डिलक्स कम्पनी की दो मोटर साइकिलें तथा उमरखेड से एक हिरो हांडा मोटर साइकिल ऐसी कुल 4 मोटर साइकिल बरामद की गई ।

फिर चुनाव मैदान में उतरे एनसीपी अध्यक्ष शरद पवार

मुंबई। चुनाव न लड़ने का ऐलान कर चुके राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष शरद पवार एक बार फिर चुनावी मैदान में हैं, लेकिन यह चुनाव लोकसभा या विधानसभा का नहीं बल्कि मुंबई मराठी ग्रंथ संग्रहालय के अध्यक्ष पद का है। इस चुनाव में उनके सामने हैं आम आदमी पार्टी के धनंजय शिंदे। इसके लिए 24 अक्टूबर को मतदान होना है।

आरटीआई कार्यकर्ता अनिल गलगली भी उपाध्यक्ष पद के लिए मैदान में थे लेकिन अनियमितता का आरोप लगाते हुए उन्होंने अपना नामंकन वापस ले लिया है। वहीं आम आदमी पार्टी ने अब आरोप लगाए है कि साल 1980 के दशक में जब पवार और डॉ भालचंद्र मुणगेकर संस्था के कामकाज में शामिल हुए हैं तब से नियम और प्रक्रियाएं ताक पर रख दी गईं हैं। आप का आरोप है कि ग्रंथ संग्रहालय के कामकाज के लिए साल 1984 का स्वीकृत और 1989 का अस्वीकृत संविधान है। प्रबंधन 1989 के संविधान के मुताबिक काम करने का दावा करता है लेकिन इसके मुताबिक प्रबंध समिति का कार्यकाल सिर्फ 3 साल का होने के बावजूद वह पिछले 5 साल से ज्यादा समय से काम कर रही है। न्यासियों की नियुक्ति भी आम सभा की बैठक के बजाय गवर्निंग बॉडी की बैठक में की गई। आप का आरोप है कि सुप्रिया सुले, अनिल देसाई और प्रताप आसबे को शरद पवार की मर्जी के आधार पर ट्रस्टी नियुक्त किया गया। पवार ने तीनों की नियुक्ति को लेकर सुबह पत्र लिखा और शाम को उन्हें ट्रस्टी के रुप में नियुक्त कर दिया गया। वहीं नामांकन वापस लेने वाले अनिल गलगली ने कहा कि संगठन के 6 हजार सदस्य हैं लेकिन सिर्फ 34 के पास मतदान का अधिकार है। गलगली के मुताबिक जानबूझकर सदस्यों के अधिकारों का हनन किया जा रहा है इसीलिए वे चुनाव नहीं लड़ रहे हैं। बता दें कि मराठी ग्रंथ संग्रहालय 100 साल से ज्यादा पुरानी संस्था है और 6 हजार सदस्यों के साथ इसकी 27 शाखाएं हैं। डॉ बाबासाहेब आंबेडकर, न्यायमूर्ति रानाडे और लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक जैसी कई प्रमुख हस्तियां और स्वतंत्रता सेनानी इसके सदस्य रहे हैं।

सिडको निकालेगी 4,900 घरों की लॉटरी, नवी मुंबई में किफायती घर खरीदने का मौका

नवी मुंबई, नवी मुंबई दिवाली के दौरान नवी मुंबई में घर खरीदने की सोच रहे हैं, तो आपके लिए सुनहरा मौका है। सिडको जल्द ही नवी मुंबई में 4,900 घरों को लॉटरी निकालने वाली है। ये घर बेहद निम्न और निम्न आय वर्ग के लोगों के लिए उपलब्ध होंगे। कुछ दिन पहले राज्य सरकार ने नवी मुंबई में कोरोना योद्धाओं को घर उपलब्ध कराने का फैसला किया था। इस हिसाब से नवी मुंबई में कोरोना वॉरियर्स को किफायती आवास मिलेंगे। शहरी विकास मंत्री एकनाथ शिंदे ने कोरोना योद्धाओं की उपलब्धियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए सिडको के माध्यम से उनके लिए आवास आरक्षित करने के निर्देश दिए थे। पांच नोड में होंगे घर घर नवी मुंबई के पांच इलाकों तलोजा, कलंबोली, खारघर, घनसोली और द्रोणागिरी में उपलब्ध होंगे। कुल 4,488 घरों में से 1,088 घर प्रधानमंत्री आवास योजना, ईडब्ल्यूएस के तहत आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए हैं और शेष 3,400 घर सामान्य वर्ग के लिए। साथ ही, वैधानिक प्रावधानों के अनुसार, कुछ घर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, खानाबदोश जनजाति, वंचित जाति, विकलांग श्रेणियों के लिए आरक्षित हैं।

अकोला में 7.50 लाख की ब्राउन शुगर जब्त

अकोला। बाढ़ पीड़ित कॉलोनी के एक मकान से महंगा ब्राऊन शुगर पावडर की खुलेआम बिक्री हो रही है। ऐसी गुप्त जानकारी स्थानीय अपराध शाखा के दल को मिली। इस जानकारी के आधार पर दल ने छापामार कार्रवाई की। कार्रवाई में दल ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके मकान की तलाशी लेने पर वहां से 500 ग्राम ब्राऊन शुगर पाउडर मूल्य 7 लाख 50 हजार रूपए का मिला। जिससे दल ने आरोपी को हिरासत में लेकर उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया।

आर्यन खान की दीवाली बीत सकती है जेल में, जानें 18 पेजों के फैसले में विशेष एनडीपीएस अदालत ने क्या कहा?

मुंबई! अभिनेता शाहरुख खान के पुत्र आर्यन खान फिलहाल मुंबई की आर्थर रोड जेल में बंद हैं। गिरफ्तारी के बाद से उन्हें कैद में 19 दिन हो चुके हैं। सत्र न्यायालय में जमानत याचिका खारिज होने के बाद अब उनके वकील मुंबई उच्चन्यायालय में जमानत की अर्जी लगाएंगे। उच्चन्यायालय इस अर्जी पर एनसीबी से जवाब दाखिल करने को कहेगा। यदि इस प्रक्रिया में अधिक समय लगा ओर इस माह के अंत तक आर्यन को जमानत न मिल सकी, तो नवंबर के प्रथम सप्ताह से ही उच्चन्यायालय में दीवाली की छुट्टियां शुरू होने के कारण आर्यन की दीवाली जेल में ही बीत सकती है। विशेष अदालत का आर्यन को जमानत देने से किया इंकार मुंबई की विशेष एनडीपीएस अदालत ने बुधवार को आर्यन खान की जमानत याचिका पर 18 पृष्ठों का फैसला सुनाते हुए उन्हें जमानत देने से इंकार कर दिया। कोर्ट ने कहा है कि मादक पदार्थों की खरीद-फरोख्त की साजिश एवं आर्यन खान के फोन में मिली चैट्स की नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) द्वारा की जा रही जांच जारी रहनी चाहिए। बता दें कि एनसीबी की ओर से आर्यन की जमानत का विरोध करते हुए इसी बात पर लगातार जोर दिया जाता रहा है कि आर्यन खान के मोबाइल चैट्स से उनके

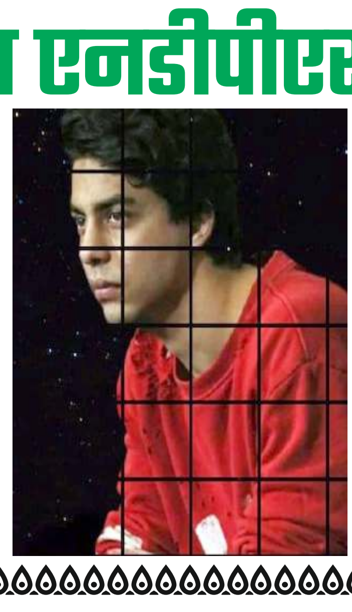

अंतरराष्ट्रीय ड्रग सिंडीकेट से जुड़े होने के संकेत मिले हैं। जिसकी जांच होनी चाहिए।

आर्यन खान के वकील उनके पास से कोई मादक पदार्थ बरामद न होने के कारण उन्हें जमानत का अधिकारी बताते रहे हैं। आर्यन खान को एनसीबी ने इसी माह दो अक्तूबर को मुंबई से गोवा जानेवाले क्रूज टर्मिनल पर गिरफ्तार किया था।

उनके साथ उनके दोस्त अरबाज मर्चेंट एवं मुनमुन धमेचा सहित कुल आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया था। अरबाज एवं मुनमुन की जमानत याचिकाएं भी आज खारिज कर दी गई हैं। दो अक्तूबर को 23 वर्षीय आर्यन खान की गिरफ्तारी के बाद से एनसीबी कहती आ रही है कि हालांकि आर्यन के पास से उन्हें कोई मादक पदार्थ नहीं मिला है, लेकिन उनके दोस्त अरबाज मर्चेंट के पास से चरस मिला है, और उसने माना है कि इसका सेवन वह और आर्यन दोनों करने वाले थे। एनसीबी ने अदालत में यह दलील भी दी है कि उसके पास आर्यन के अक्सर मादक पदार्थों का सेवन करने के सबूत हैं। उसके पास से मिले वाट्सएप्प चैट्स से पता चलता है कि वह अंतरराष्ट्रीय ड्रग सिंडीकेट के संपर्क में रहा है। एनसीबी की यही दलीलें आर्यन खान के की मुसीबतें बढ़ाती जा रही हैं।

क्या आप अपना आत्म विश्वास वापस पाना चाहते हैं?

संदेह करने वाला व्यक्ति बनना सबसे आसान आदत है जिसे आप कभी भी अपना सकते हैं। ऐसी मनोवृत्ति वाला व्यक्ति बनने में बहुत कम मेहनत लगती है। और परिणाम इतना भयानक होता है कि किसी दिन आप खुद पर शक करने लगते हैं, अपनी क्षमताओं पर शक करने लगते हैं और संदेह का चक्र आगे बढ़ता जाता है।

आप अपने आस-पास के लोगों को प्रगति करते हुए देखेंगे लेकिन आपकी प्रगति को आपके अपने विचारों से चुनौती मिलेगी। आप के विचारों ने अपनी क्षमताओं को कैद कर लिया है। अपनी क्षमताओं को डुबाने के लिए आप स्वयं जिम्मेदार हैं।

आपको यह तय करने की आवश्यकता है कि आप जहां हैं वहीं बने रहना चाहते हैं या आप अपने जीवन में आगे बढ़ना चाहते हैं। निश्चित रूप से सुधार के लिए प्रयासों की आवश्यकता होगी लेकिन इससे पहले हमें संदेहपूर्ण रवैये के पीछे के कारण को समझने की जरूरत है।

व्यक्ति स्वभाव से शंकालु क्यों हो जाता है?

निश्चित रूप से ऐसी घटनाएं या गतिविधियों की श्रृंखला होती है जिनसे एक व्यक्ति गुजरता है या देखता है, जहां विश्वास टूट रहा है; जिससे व्यक्ति अपने जीवन में आने वाली किसी भी घटना या अवसर पर संदेह करने लगता है।

आपको क्या करना चाहिये?

यह आवश्यक नहीं है कि जीवन की प्रत्येक घटना का परिणाम प्रतिकूल ही हो। किसी भी बात पर संदेह करने से पहले आपको खुले दिमाग से मूल्यांकन करना होगा।

पता करें कि आप कहां गलत थे?

क्या कुछ मीठे शब्दों का प्रभाव था, या जल्दबाजी में लिया गया निर्णय था, या यह लालच था जिसने आपको तथ्यों का मूल्यांकन करने से रोक दिया। हां, स्थिति या किसी को दोष देने से पहले आपको पहले अपनी गलतियों का पता लगाने की जरूरत है। यह अपने आप में बदलाव लाने की शुरुआत है। COVID 19 की महामारी के दौरान ऐसे लोग थे जिन्होंने अपने जीवन का सबसे अच्छा उपयोग किया, जबकि अधिकांश को जीवित रहना मुश्किल लगा।

अपनी सफलताओं को याद करो।

अपने आत्मविश्वास को वापस लाने के लिए यह महत्वपूर्ण है। ऐसा करने से आपको अपनी काबिलियत का एहसास होने लगेगा। यह आपको एक दिशा भी प्रदान करता है जिसमें आपको आगे बढ़ना चाहिए। अब आप स्पष्ट रूप से जानते हैं कि आप क्या कर सकते हैं और आप कहां सुधार कर सकते हैं।

नकारात्मक लोगों और विचारों से दूर रहें।

लोग अपने विचार व्यक्त करने के लिए स्वतंत्र हैं। निराश होना या नकारात्मकता को नज़रअंदाज करना वास्तव में हमारा निर्णय है। अपने कार्यों और परिणामों का विश्लेषण करें, कुछ भी करने से पहले स्थिति की उचित समीक्षा करें। तथ्य और केस स्टडी आपको केवल शब्दों पर अपने निर्णय लेने में बेहतर मदद करेगी, चाहे वह बहुत आशावादी या नकारात्मक हो। शुरू करने से पहले एक राय लें।

यह सबसे महत्वपूर्ण बात है और विशेष रूप से यदि आपको किसी जानकार व्यक्ति द्वारा सलाह दी जाती है। अतिरिक्त ज्ञान आपको विकल्प खोजने में भी मदद करेगा।

पूर्वानुमान करना।

किसी भी स्थिति के लिए विकल्प तैयार रखें। यह किसी भी तदर्थ स्थिति या किसी अप्रत्याशित अवरोध को दूर करने में मदद करेगा।

और अंत में आप जो चाहते हैं उस पर ध्यान केंद्रित करें क्योंकि छोटी से छोटी उपलब्धि भी आपके आत्मविश्वास को बढ़ा देगी। याद रखें अगर कोई कर सकता है तो आप क्यों नहीं।

नहीं बढ़ रही है बच्चे की लंबाई? इन चार योगासनों के अभ्यास से दूर होगी समस्या

हम सभी को लम्बे लोग आकर्षक लगते हैं। अध्ययनों में शरीर की लंबाई को सकारात्मक दृष्टिकोण और हाई आईक्यू लेवल से जोड़कर देखा जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक सामान्यतौर पर 10-22 साल की आयु तक शरीर की लंबाई तेजी से बढ़ती है और इसके बाद रुक जाती है। हाल के वर्षों में देखा गया है कि करीब तीन दशक पहले की तुलना में अब के बच्चों की ऊंचाई कम होती जा रही है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक जीवनशैली और खान-पान सहित कई कारकों को इसके लिए जिम्मेदार माना जा सकता है।योग विशेषज्ञों के मुताबिक योगासन न सिर्फ भावनात्मक और मानसिक तनाव से राहत देने में मददगार होते हैं, साथ ही अगर कम उम्र से ही बच्चों में इसका अभ्यास कराया जाए तो उनकी लंबाई को भी आसानी से बढ़ाने में मदद मिल सकती है। कई योग आसन शरीर को खिंचाव देने के साथ लचीलेपन को बढ़ाने में सहायक होते हैं। आइए शरीर की लंबाई बढ़ाने में सहायक ऐसे ही कुछ योगासनों के बारे में जानते हैं।

ताड़ासन योग का अभ्यास

ताड़ासन या माउंटेन पोज, शरीर की सभी मांसपेशियों को फैलाती है। यह मुद्रा मांसपेशियों के विस्तार के साथ ग्रोथ हार्मोन के निर्माण में भी बढ़ावा देती है। इस योगासन को करने के लिए सबसे पहले एकदम सीधे खड़े हो जाएं, हाथों को एकदम सीधा रखें।

गहरी सांस लेते हुए दोनों हाथों को सिर के ऊपर उठाएं और उंगलियों को आपस में जोड़ते हुए स्ट्रेच करें। शरीर का भार पैर की उंगलियों पर रखें। कुछ सेकेंड्स के लिए इस स्थिति में रहें।

भुजंगासन योग

भुजंगासन योग, आपकी पीठ के निचले हिस्से, ऊपरी पीठ और पेट की मांसपेशियों को फैलाने में सहायक है। इसके अलावा कमर के आसपास की चर्बी को कम करने में भी इसे मददगार माना जाता है। हाइट बढ़ाने के लिए यह सबसे अच्छे योग आसनों में से एक है। इस योग के लिए जमीन पर लेट जाएं और अपनी हथेलियों को फर्श पर कंधे की चौड़ाई से अलग रखें। अपने निचले शरीर को जमीन पर रखते हुए श्वास लें और अपनी छाती को फर्श से उठाते हुए छत की ओर देखें। सांस छोड़ते हुए अपने शरीर को फर्श पर दोबारा लेकर आएं।

वृक्षासन योग

शरीर की लंबाई बढ़ाने के लिए वृक्षासन मुद्रा को प्रभावी योग आसन माना जाता है। यह मुद्रा पिट्यूटरी ग्रंथि को सक्रिय करती है, जो ग्रोथ हार्मोन के उत्पादन बढ़ावा देने में सहायक है। इस योगासन के लिए सबसे पहले सीधे खड़े हो जाएं। अब दाहिने पैर को मोड़ते हुए इसे बाएं पैर की जांघ पर रखें। अब गहरी सांस लें और अपनी हथेलियों को सीने के सामने नमस्कार की मुद्रा में लाएं। ध्यान रहे कि इस दौरान आपकी रीढ़ सीधी रहे। इस आसन को दूसरे पैर के साथ भी दोहराएं।

वीरभद्रासन

शरीर की लंबाई को बढ़ाने के लिए बच्चों में शुरू से ही इस योगासन की आदत डालनी चाहिए। मांसपेशियों के अच्छे स्ट्रेचिंग के साथ रीढ़ की हड्डी को लचीला रखने में इसे सहायक माना जाता है। इस योगासन को करने के लिए सबसे पहले अपने पैरों को कूल्हे की चौड़ाई से अलग करके खड़े हो जाएं। अब अपने बायीं ओर एक बड़ा कदम उठाएं। अब अपने घुटनों को 90 डिग्री के कोण पर मोड़ें। अब अपने दाहिने पैर को लगभग 15 डिग्री अंदर की ओर मोड़ें। दाहिने पैर की एड़ी बाएं पैर के केंद्र में होनी चाहिए। अब अपने दोनों हाथों को साइड में उठाएं और कंधों के स्तर पर लाएं। आपकी हथेलियां ऊपर की ओर होनी चाहिए। इस पोजीशन में गहरी सांसें लें। अपने सिर को बाईं ओर मोड़ें। कुछ सेकंड के लिए ऐसे ही रुकें और फिर प्रारंभिक स्थिति में वापस आ जाएं।

नोट: यह लेख योगगुरु के सुझावों के आधार पर तैयार किया गया है। आसन की सही स्थिति के बारे में जानने के लिए किसी विशेषज्ञ से संपर्क कर सकते हैं।

आंतों की सफाई के लिए कीजिए इन चीजों का सेवन, पाचन रहेगा दुरुस्त

शरीर के बेहतर स्वास्थ्य के लिए पाचन क्रिया का ठीक रहना सबसे आवश्यक माना जाता है। पाचन क्रिया के माध्यम से भोजन से पोषक तत्वों का अवशोषण होता है, जो हमारे शरीर को पर्याप्त मात्रा में ऊर्जा देने के लिए आवश्यक होती है। पाचन क्रियाओं के लिए लिवर के साथ आंतों की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है,

यही कारण है कि जिन लोगों को ऐसी दिक्कतें होती हैं उन्हें आंतों को स्वस्थ रखने वाले उपाय करने की सलाह दी जाती है। डॉक्टरों के मुतबिक पाचन तंत्र को स्वस्थ और बेहतर बनाए रखने के लिए आंतों को स्वस्थ और साफ रखने वाले उपाय करते रहने चाहिए।डॉक्टरों बताते हैं,पाचन क्रिया के दौरान आंतों में भोजन के अपशिष्ट औरि वषाक्त पदाथ र्जमा होने लगते हैं, जो शरीर के लिए काफी नुकसानदायक होते हैं। यही कारण है कि समय-समय पर आंतों को साफ रखने के उपाय करते रहने की जरूरत होता है। आंतों को साफ रखने के लिए कई प्राकृतिक उपाय बेहद फायदेमंद माने जाते हैं, जिन्हें प्रयोग में लाते रहना लाभदायक हो सकता है। आइए आगे की स्लाइडों में ऐसे ही कुछ उपायों के बारे में जानते हैं। आहार में बढ़ाएं फाइबर की मात्रापेट को स्वस्थ रखने के लिए आहार में फाइबर की मात्रा को बेहतर बनाए रखना आवश्यक होता है। आंतो की सफाई के साथ पाचन क्रिया को सुचारू बनाए रखने के लिए आहार में फलों या सब्जियों के जूस को शामिल किया जा सकता है जो फाइबर से भरपूर होते हैं। इसके लिए सेब, केले, गाजर, ब्रोकली जैसी चीजों का सेवन भी फायदेमंद हो सकता है। खूब पानी पिएंपानी पीना संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए लाभदायक माना जाता है, यह आंतों से अपशिष्ट और विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में भी सहायक है। पानी पीने से शरीर हाइड्रेटेड बना रहता है। अध्ययनों से पता चलता है कि आंतों को साफ रखने के लिए पानी में नमक मिलाकर पीना भी लाभदायक हो सकता है।

बच्चों में वैक्सीन लगाने के बाद नजर आ सकते हैं ये चार साइड इफेक्ट्स, भूलकर भी न करें नजरअंदाज

कोरोना वायरस महामारी ने हर किसी को परेशान करके रखा। किसी ने अपनों को खोया, तो किसी ने खुद कोरोना की मार झेली।

वहीं, भारत में तो कोरोना की दूसरी लहर ने जमकर कहर मचाया। इसलिए हर किसी को इस वायरस से बचने के लिए कोविड-19 के नियमों का पालन करने के लिए कहा गया, जिसमें मास्क पहनना, हाथों को साफ रखना, सामाजिक दूरी बनाना आदि शामिल है। वहीं, इसके बाद 18 साल से ज्यादा उम्र के लोगों के लिए वैक्सीन आई, लेकिन चिंता कहीं न कहीं बच्चों की भी होने लगी क्योंकि कुछ

समय पहले तक बच्चों के लिए कोरोना की वैक्सीन नहीं थी। लेकिन अब भारत में 2 से 18 साल की उम्र के बच्चों का भी टीकाकरण हो सकेगा। लेकिन ऐसे में सवाल ये है कि क्या व्यस्कों की तरह ही बच्चों में भी वैक्सीन के टीके के साइड इफेक्ट्स यानी दुष्प्रभाव देखे जा सकते हैं? तो चलिए इस बारे में जानने की कोशिश करते हैं।

फ्लू जैसे लक्षणबच्चों पर वैक्सीन के नैदानिक परीक्षण के साथ दर्ज किए गए सबसे आम इफेक्ट्स में फ्लू जैसे लक्षण शामिल हैं और ये अपेक्षित हैं। साथ ही ये प्रतिक्रियाशील माने जाते हैं। बच्चे में अगर वैक्सीनेशन के बाद ये लक्षण नजर आएं, तो आपको तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए न कि अपनी मर्जी से कोई दवा लेनी चाहिए।

शरीर में दर्द और थकानवैक्सीन जब शरीर में अपने असर दिखाती है, तो इस दौरान कई साइड इफेक्ट्स नजर आते हैं। ऐसे में बच्चों में बाकी लोगों की तरह ही शरीर में दर्द और थकान जैसी दिक्कतें हो सकती हैं। लेकिन हमें इनसे घबराना नहीं है, बल्कि डॉक्टर द्वारा दी गई दवा का सेवन करें और अच्छे से आराम करें क्योंकि 2-3 दिनों में ये दिक्कतें दूर हो जाती हैं।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष : मेष राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिलाजुला रहने वाला है। कुछ मामलों में आपकी निर्णय क्षमता बेहतर करेगी। जो भी करेंगे उसमें आपकी बौद्धिक क्षमता का पुट नजर आएगा। इस सप्ताह नौकरी और व्यवसाय में बेहतर काम कर पाएंगे। आर्थिक दृष्टि से परिस्थितियां अनुकूल रहेंगी।

वृषभ : वृषभ राशि के जातकों के जीवन इस सप्ताह कुछ आकस्मिक घटनाएं हो सकती हैं। सप्ताह में कोई भी फैसला लेते समय सोच समझकर ही लें। दूसरों की देखादेखी न करें। नौकरीपेशा का उच्चाधिकारियों से तालमेल गड़बड़ा सकता है। व्यापारियों को काम में उम्मीद के अनुसार लाभ होगा। आर्थिक दृष्टि से सप्ताह लाभदायक है।

मिथुन : इस सप्ताह आप जो भी काम करेंगे पूरी क्षमता से करेंगे। अपने साहस और धैर्य से बड़ी मुश्किलों का सामना भी मजबूती से करने में सक्षम होंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत बनेगी। कर्ज मुक्ति की संभावना है। नौकरी पेशा और व्यापारियों को कार्य में लाभ प्राप्त होगा। अनावश्यक खर्च पर स्वयं ही लगाम लगानी होगी।

कर्क : आपके लिए यह सप्ताह थोड़ा उलझनों भरा हो सकता है। संपत्ति को लेकर भाई-बहनों से विवाद कोर्ट-कचहरी, पुलिस के मामले आ सकते हैं। बड़ा निवेश करने से इस सप्ताह बचना ही बेहतर होगा। करियर में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। कारोबारियों के वक्त बेहतर आ रहा है। कार्य विस्तार करें और नई सोच के साथ उसे लागू करें।

सिंह : सिंह राशि के जातकों को इस सप्ताह में भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। मन प्रसन्न रहेगा क्योंकिपरिवार में सारी चीजें व्यवस्थित रूप से चलती रहेंगी। इस सप्ताह आपके कर्ज मुक्ति की स्थिति बनेगी लेकिन नया कर्ज लेने से बचें और किसी को पैसा उधार भी न दें। शारीरिक और मानसिक रूप से स्थिति बेहतर रहेगी।

कन्या : इस सप्ताह मानसिक रूप से आप थोड़ा विचलित रह सकते हैं। बात-बात पर क्रोध आएगा। अपने मन-मस्तिष्क को शांत रखें, विचारों का प्रवाह कम करें। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। नए कार्य प्रारंभ करने का सही वक्त यही है। नौकरीपेशा, कारोबारियों को कार्य में लाभ की स्थिति बन रही है। पारिवारिक जीवन सामान्य रहेगा।

तुला : इस सप्ताह अपनी वाणी का प्रयोग संभलकर करें। किसी के दिल को ठेस पहुंचाने से बचें। पैतृक संपत्ति को लेकर थोड़े चिंतित हो सकते हैं। हालांकि स्वयं की संपत्ति खरीदने के योग भी बन रहे हैं। नौकरी पेशा को तरक्की की संभावना है, व्यापारियों के लिए समय बेहतर आ रहा है। पुराने निवेश से लाभ प्राप्त करेंगे।

वृश्चिक : सप्ताह वैसे तो तरक्कीदायक है लेकिन अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी कार्य व्यवसाय में लाभ होगा किंतु स्वास्थ्य में कमजोरी की वजह से बड़े काम संपन्न नहीं कर पाएंगे। आर्थिक दृष्टि से सप्ताह पूरी तरह लाभदायक है। कर्ज मुक्ति के रास्ते खुलेंगे। आकस्मिक रूप से यात्रा करनी पड़ सकती है। भाई-बहनों से तालमेल अच्छा बना रहेगा।

धनु : अपनी वाणी और क्रोध पर नियंत्रण रखना होगा। पारिवारिक और सामाजिक स्थिति में मान-सम्मान, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कोई सामाजिक सम्मान प्राप्त हो सकता है। नौकरी में नई संभावनाएं तलाशने का प्रयास करें। व्यापारिक स्थितियां बेहतरी की ओर बढ़ रही हैं। पैसों की बचत करने की आदत डालें, वरना मुसीबत में पड़ जाएंगे।

मकर : जीवन सुखी और समृद्धिशाली बनाने के प्रयासों में सफलता मिलने वाली है। नौकरीपेशा को कार्य की अधिकता रहेगी लेकिन इसी कारण अधिकारियों की नजर में आपकी छवि बेहतर बनेगी। कारोबार में लाभ की स्थितियां बनेंगी। आर्थिक उतार-चढ़ाव थमेगा। पारिवारिक सहयोग पूरी तरह प्राप्त रहेगा। स्वास्थ्य में लापरवाही न बरतें।

कुंभ : यह सप्ताह बेहद अनुकूल है। जो भी काम सोचेंगे या प्रारंभ करेंगे वे सब पूरे हो जाएंगे। आलस्य का त्याग करना होगा वरना कई काम अटक भी सकते हैं। परिवार को वक्त दें, उनके साथ ही तालमेल बनाकर रखें, मुसीबत में वे ही काम आएंगे। स्वास्थ्य बेहतर रहेगा। पुराने रोग कटेंगे। आर्थिक स्थिति में मजबूती आएगी।

मीन : आर्थिक स्थिति मजबूती की ओर बढ़ती नजर आ रही है। भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। भूमि, भवन, संपत्ति, वाहन, आभूषण खरीदने के योग हैं। नौकरी और कारोबार दोनों में वृद्धि की संभावना है। स्वास्थ्य बेहतर रहेगा। पारिवारिक जीवन सामान्य रहेगा। सभी का सहयोग प्राप्त होगा।

चुटकुले

सोनू परेशान बैठा हुआ था तब मोनू ने पूछा- क्या हुआ सोनू क्यों परेशान बैठे हो?
सोनू- आज सुबह एक न्यूज चैनल की एंकर ने बोला था
तो चलिए हम आपको अब मनाली लेकर चलते हैं।
मोनू- हां तो क्या हुआ?
सोनू- यार मैं तभी से तैयार बैठा हूं, लेकिन कोई आया ही नहीं।

जीजा ने साली से पूछा- अगर एक तरफ रुपये हो और दूसरी तरह अकल हो,
तो तुम इन दोनों में से क्या लेना पसंद करोगी?
साली बोली- मैं रुपये लेना पसंद करुंगी।
जीजा बोले- मैं तो दिमाग लेना पसंद करुंगा।
जीजा जी की बात सुनकर साली जी बोली-
जीजा जी, जिसके पास जो चीज कम होती है, वो वही लेना पसंद करता है।

गुजरात के मुख्यमंत्री ने शाह के जन्मदिन पर सेवा सेतु कार्यक्रम का सातवां चरण शुरू किया

अहमदाबाद, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के जन्मदिन पर अहमदाबाद के समीप एक गांव से राज्यव्यापी सेवा सेतु कार्यक्रम के सातवें चरण की शुक्रवार को शुरुआत की। शाह के 57वें जन्मदिन पर उनके निर्वाचन क्षेत्र में साणंद तालुक के मणिपुर गांव में इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, मुख्यमंत्री साणंद तालुका में एक आवासीय स्कूल और गरीब बालिकाओं के लिए बनाए गए एक हॉस्टल भी गए तथा छात्रों के साथ शाह का जन्मदिन मनाया। सेवा सेतु कार्यक्रम के तहत स्थानीय लोगों को आय प्रमाणपत्र, विधवा पेंशन, जाति प्रमाणपत्र और डुप्लिकेट राशन कार्ड जैसे प्रमाणपत्र और दस्तावेज सरकारी कार्यालयों में जाए बिना उनके घर पर ही मिलते हैं।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि भाषण देने के बजाय पटेल ने कुछ लाभार्थियों को प्रमाणपत्र तथा अन्य दस्तावेज बांटे और उनके मुद्दों को समझने के लिए उनसे बातचीत की। बाद में पटेल साणंद शहर के समीप गरीब बच्चों के लिए न्यास द्वारा संचालित आवासीय स्कूल 'दादानंद आश्रम स्कूल' पहुंचे और गरीब बच्चों के साथ शाह का जन्मदिन मनाया। उन्होंने वहां पढ़ रहे बच्चों को स्कूल के बैग और अन्य उपहार भी दिए। वह साणंद के समीप नल सरोवर में बालिकाओं के एक हॉस्टल में भी गए जहां उन्होंने लड़कियों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनी और अधिकारियों से उन्हें हल करने के निर्देश दिए।

गांधीनगर के महापौर चुने गए बीजेपी पार्षद हितेश मकवाना

अहमदाबाद, भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के पार्षद हितेश मकवाना को गुरुवार को गांधीनगर नगर निगम (जीएमसी) का नया महापौर निर्विरोध चुन लिया गया। नवनिर्वाचित नगर निकाय की पहली आम बैठक में मकवाना को महापौर चुना गया। इस बार, गांधीनगर के महापौर का पद पहले ढाई साल के लिए अनुसूचित जाति के किसी पार्षद के लिए आरक्षित किया गया है। गुजरात की राजधानी के पांचवें महापौर के तौर पर मकवाना ढाई साल के लिए इस पद पर बने रहेंगे, जिसके बाद बचे हुए कार्यकाल के लिए कानून के मुताबिक किसी महिला को महापौर बनाया जाएगा। 'हमारे पुरखों ने शहर को विकसित किया था' मकवाना ने कहा, 'मैं भाजपा और उसके नेतृत्व को यह जिम्मेदारी देने के लिए धन्यवाद देता हूं। हमारे पुरखों ने गांधीनगर शहर को विकसित किया था। अब हम इस विकास कार्य को 18 गांवों और पेथापुर नगर पालिका तक लेकर जाएंगे।' बैठक में भाजपा पार्षद प्रेमलसिंह गोल को गांधीनगर का नया उप महापौर चुना गया और जसवंत पटेल को स्थायी समिति का अध्यक्ष बनाया गया।

राजकोट में 'तलवार रास', आंख में पट्टी बांधकर राजपूत महिलाओं ने दिखाया करतब

राजकोट में चल रहे पांच दिन के कार्यक्रम में 'तलवार रास' का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और तलवार कौशल दिखाया। कार्यक्रम में राजपूती महिलाओं ने आंख में पट्टी बांधकर तलवार से करतबबाजी दिखाई। वीडियो में दिख रहा है कि एक महिला आंख में पट्टी बांधकर कुछ महिलाओं की पीठ पर चढ़कर तलवार से करतब दिखा रही है।

सूरत ग्रामीण द्वारा होमगार्ड भर्ती को लगेगा शिविर, 26 से 28 अक्टूबर तक फॉर्म जमा करने की अंतिम तारीख

जिला होमगार्ड्स कार्यालय सूरत ग्रामीण द्वारा होमगार्ड भर्ती शिविर का आयोजन किया गया है। आवेदन 22 और 23 अक्टूबर को सुबह 11 से दोपहर 3 बजे तक फॉर्म ले सकते हैं। 26 से 28 अक्टूबर तक फॉर्म जमा करने की अंतिम तारीख है। होमगार्ड दल में भर्ती होने की पात्रता निर्धारित की गई है। आवेदन के लिए भारत का नागरिक होना चाहिए। शैक्षणिक योग्यता कम से कम दसवीं पास होना जरूरी है। उम्र 18 से 50 साल और वजन कम से कम 50 किलो होना चाहिए। उंचाई 162 सेमी और छाती 79 सेमी होनी चाहिए। आवेदन अपराधी न हो और विधि द्वारा स्थापित किसी भी न्यायालय द्वारा दंडित न किया हुआ हो। आवेदक किसी भी सांप्रदायिक संगठन से जुड़ा और उसकी सांप्रदायिक पृष्ठभूमि नहीं होनी चाहिए। नानपुरा के बहुमाली भवन से आवेदक ले सकते हैं फॉर्म उम्मीदवार जिला होमगार्ड्स कार्यालय, सूरत ग्रामीण, बी ब्लॉक, बहुमाली भवन, दूसरी मंजिल, नानपुरा से फॉर्म ले सकते हैं। फॉर्म भरने के बाद यहीं जमा करना होगा। आवेदन को फॉर्म लेने के लिए व्यक्तिगत रूप से आना होगा और शैक्षणिक योग्यता का प्रमाण देना होगा। अधिक जानकारी के लिए www.homeguards.gujrat.gov.in पर संपर्क कर सकते हैं।

तेजस एक्स. सहित 5 जोड़ी ट्रेनों में 6 माह के लिए जुड़ेंगे अतिरिक्त कोच

पश्चिम रेलवे ने पांच जोड़ी स्पेशल ट्रेनों में अस्थायी अतिरिक्त कोच जोड़ने का निर्णय लिया है। रेलवे के अनुसार ट्रेन संख्या 02971/02972 बांद्रा टर्मिनस-भावनगर टर्मिनस स्पेशल में छह महीने के लिए एक अतिरिक्त एसी फर्स्ट क्लास कोच बांद्रा से 4 नवंबर से 30 अप्रैल तक जोड़ा जाएगा। 09217/09218 बांद्रा टर्मिनस-वेरावल स्पेशल में छह महीने के लिए एक अतिरिक्त एसी फर्स्ट क्लास कोच बांद्रा से 3 नवंबर से 2 मई तक जोड़ा जाएगा। 82901/82902 मुंबई सेंट्रल-अहमदाबाद तेजस एक्सप्रेस में अतिरिक्त एग्जिक्यूटिव एसी चेयर कार कोच अगली सूचना तक जोड़ा जाएगा। यह कोच मुंबई सेंट्रल और अहमदाबाद से 22 अक्टूबर से जोड़ा जाएगा। 02480/02479 बांद्रा टर्मिनस-जोधपुर स्पेशल में दो अतिरिक्त एसी 3-टियर और दो स्लीपर क्लास कोच जोड़े जाएंगे। ये कोच 2 दिसंबर तक निर्धारित दिनों पर जोड़े जाएंगे।

मूंगफली-चना ठेले पर गांजा-इशारा किया और 200 रुपए देते ही पुड़िया हाथ आ गई, पान की थड़ी पर मिली नशे की सिगरेट

गुजरात और मध्यप्रदेश की सीमा पर स्थित बांसवाड़ा में नशे का कारोबार जड़ें जमा रहा है। ब्राउन शुगर, अफीम, गांजा, स्मैक जैसे नशीले पदार्थ की बिक्री यहां बेरोकटोक हो रही है। आए दिन सामने आ रहे मामलों के बाद भी पुलिस इस तरह के अवैध कारोबार को रोकने में विफल रही है। ये नशीला पदार्थ कहां से आता है और युवाओं के हाथ ये कहां से लगता है, पुलिस इससे भी बेखबर है। भास्कर के स्टिंग ने उनके चेहरे उजागर कर दिए हैं, जो युवाओं को जहर दे रहे हैं।

नगर परिषद बांसवाड़ा के परिसर से सटकर सब्जी विक्रेताओं के बीच लगा हुआ ठेला।

नगर परिषद बांसवाड़ा के परिसर से सटकर सब्जी विक्रेताओं के बीच लगा हुआ ठेला।

सबसे व्यस्त इलाके में बिक रहा नशा बांसवाड़ा में नशे के कारोबार को पकड़ने के लिए भास्कर ने अपने स्टिंग में शहर के चप्पे-चप्पे पर 7 दिन तक नजर रखी। हैरान करने वाली बात ये है कि नशा किसी सुनसान इलाके में नहीं, बल्कि सबसे व्यस्त इलाके में आसानी से उपलब्ध हो रहा है। वह भी नगर परिषद की दीवारों से सटे इलाकों में।

क्लू मिला तो चेहरे तक पहुंच गई टीम

स्टिंग के दौरान क्लू मिला तो भास्कर की टीम स्टूडेंट बनकर मुख्य चेहरे तक पहुंचने के लिए निकल पड़ी। इशारे और कोड के जरिए इलाके में नशा खरीदा और बेचा जाता है। नगर परिषद के मुख्य द्वार के सहारे सब्जी विक्रेताओं की लाइन में चना-मूंगफली वाले के पास गांजा मिला। युवक मात्र 200 रुपए में गांजा बेच रहा था। ग्राहक बनकर टीम ने उससे 200 रुपए वाली पुड़िया मांगी। पहले तो उसने नया चेहरा देखकर पुड़िया देने से इनकार कर दिया। उससे कहा कि यहां से पहले भी ले गए हैं। इस पर लॉरी संचालक अवैध कारोबारी ने कहा कि पहले उसके लड़के ने दे दिया होगा। वहीं रुके रहने पर कुछ वार्तालाप के बाद लॉरी चालक ने दैनिक भास्कर की टीम को पुड़िया निकालकर सौंप दी, हालांकि उसने इससे पहले पूरी जानकारी लेने की कोशिश की। 200 रुपए मिलते ही इस तरह काले रंगी थैली में दी गांजे की पुड़िया।

लारी से दूर डिब्बे पर बैठता है एक आदमी

जब, लॉरी वाले को हमारी बातों पर पूरा भरोसा हो गया तो उसने लॉरी के पास लाल रंग का कलर बाल्टी नुमा डिब्बा लेकर बैठे एक व्यक्ति को आवाज दी और डिब्बे को लॉरी पर लिया। उसमें से काली थैली में दो पुड़िया दीं और कीमत 5 सौ रुपए मांगी। हमने भी स्टिंग पूरा करने के लिए उससे दो पुड़िया ले लीं।

लॉरी चलाने वाले व्यक्ति ने वह डिब्बा वापस से उसी व्यक्ति को पकड़ा दिया।

काली थैली में मिली दो गांजे की पुड़िया। गांजे के साथ गोगो है। जिसमें भरकर इसे पीते हैं।

पीने के लिए गोगो

गांजा मिलने के बाद स्टिंग खत्म नहीं हुआ। हमने इसका उपयोग करने वाले युवाओं की तलाश की। तभी लॉरी पर पुड़िया (काली थैली) लेने पहुंचे दो युवाओं को हमने कुछ दूरी पर रोका। उनको पुड़िया दिखाकर विश्वास में लिया। तब उन्होंने इसका उपयोग गोगो (तंबाकू रहित सिगरेट जैसा दिखने वाला पेपर पाइप) से करने की बात कही। पूछताछ पर पता चला कि गोगा शहर में किसी भी पान के गल्ले पर मिल जाएगा। दैनिक भास्कर की दूसरी पड़ताल में पता चला कि शहर के सबसे पॉश इलाके में मोहन कॉलोनी में पान की दुकानों पर गोगो आसानी से उपलब्ध है।

अपनी ही सोसाइटी के गरबा में नहीं पहुंचे इटालिया, वहीं पर अल्पेश का हुआ सम्मान

आम आदमी पार्टी (आप) और पाटीदार आरक्षण आंदोलन समिति (पास) के बीच दूरी बढ़ने लगी है। आप के प्रदेश अध्यक्ष गोपाल इटालिया की मोटा वराछा स्थित सोसाइटी में गरबा हो रहा था। इसमें पास कन्वीनर अल्पेश कथीरिया अपने समर्थकों के साथ वहां पहुंचे तो गोपाल इटालिया अपनी सोसाइटी का कार्यक्रम छोड़कर चले गए। इस बारे में इटालिया ने कहा कि मुझे दूसरी जगह आमंत्रित किया गया था, वहां जाना जरूरी था। शरद पूर्णिमा को रात में तुलसी रेजिडेंसी, सुदामा चौक, मोटा वराछा में पास कन्वीनर अल्पेश कथीरिया का स्वागत किया गया। सोसाइटी के निवासियों ने पास नेताओं और कार्यकर्ताओं को बुलाकर माताजी की आरती उतारी। वहीं, आप के प्रदेश अध्यक्ष गोपाल इटालिया अपनी ही सोसाइटी के कार्यक्रम में नहीं पहुंचे। इटालिया ने बताया कि सोसाइटी के आमंत्रण पर वहां चला गया था।

मंदिर तोड़ने के विरुद्ध में विश्व राष्ट्र हिन्दू परिषद बजरंग दल का धरना प्रदर्शन

मुंबई तरंग संवाददाता
हरीश राजपूत

सूरत दिनाक 22 अक्टूबर को विश्व राष्ट्र हिन्दू परिषद बजरंग दल की ओर से वराछा विस्तार में S M C द्वारा ऐक महीने पहेले मंदिरों को तोड़ा गया था उस को लेके आज रोज अनसन पे वराछा जॉन ऑफिस पे धरने पे विश्वराष्ट हिन्दू परिषद बजरंग दल के आगेवान ओर कार्यकर्ता को पुलिस दवारा 25 से 30 कार्यकर्ता को वराछा पॉलिस टेशन ले जाया गया और विश्वराष्ट हिन्दू परिषद बजरंग दल के आगेवानो का कहेना है कि पालिका द्वारा मंदिरों की जगह देने का वादा किया था मगर उसपे कोय जवाब नहीं दिया गया

उसको लेके आज अनसन पे बेठेथे और जब तक जवाब का निर्णय ना देंगे तब तक अनसन पे बैठके ऐसे प्रदर्शन करने की चीमकी पालिका को देते हुवे कहा के सुरत शहेर में कई जगह पर मजिद भी रॉड के बीचोबीच है लेकिन पालिका को वो नहीं दिखता हे ओर सिर्फ हिन्दू ओ के मंदिरों को टारगेट किया जा रहा है जय श्री राम के नारे लगाके सब कार्यकर्ता ने बताया कि अगर पालिका मंदिरों के लिये जगह नहीं देगी तो आगे भी इसी तरह के प्रदर्शन करते रहेंगे और तो ओर अगर मंदिरों को तोड़ा है तो मजिद भी टुटनी चाहिये ऐसी मांग करते हुवे राष्ट हिन्दू परिषद बजरंग दल के जय भवानी जय श्री राम के नारे लगाके सब आगेवानो का कहना है

डिजिटलाइजेशन चालान-सीसीटीवी से 6 माह में 4068 चालान किए, पीओएस से 152 दिन में 60 हजार रसीदें काटीं, 43 लाख रुपए की हुई वसूली

छह महीने पहले पीओएस मशीन को 50 ट्रैफिक स्पॉट पर शुरू किया गया था। पूरे छह महीने में जितने सीसीटीवी से ई-चालान बनते हैं, उतना एक महीने में ही पीओएस मशीन से बन जाता है। हालांकि जब पीओएस मशीन सिस्टम शुरू किया गया था तो ट्रैफिक एनफोर्समेंट का काम करने वाले पुलिसकर्मियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। अप्रैल से 19 अक्टूबर तक कुल 4068 ई-चालान बने थे। इससे 42 लाख 99 हजार 300 रुपए इकट्ठा किए गए थे। वहीं पीओएस मशीन से 20 मई से 19 अक्टूबर तक 60262 रसीदें बनाई गई हैं। इसमें पुलिस ने 2 करोड़ 29 लाख 75 हजार 416 रुपए इकट्ठा किए हैं। इसके अलावा ट्रैफिक स्पॉट्स पर अप्रैल से 19 अक्टूबर तक 184913 रसीदें बनाई गई हैं, जिससे 7 करोड़ 77 लाख 64 लाख 934 रुपए वसूले गए हैं।

शहर ट्रैफिक पुलिस द्वारा ट्रैफिक एनफोर्समेंट को देखते हुए नियम का पालन न करने वालों के खिलाफ ट्रैफिक स्पॉट्स पर चालान बनाए जाते हैं। वहीं जो लोग पुलिसकर्मियों की नजर से बच जाते हैं ऐसे नियमों का उल्लंघन करने वाले लोगों के लिए सीसीटीवी कैमरे की मदद से ई-चालान भेजा जाता है। अब सूरत ट्रैफिक पुलिस ने मई महीने में पीओएस मशीन से चालान बनाना शुरू कर दिया है।

चालान के लिए पीओएस मशीन का बढ़ सकता है उपयोग, स्टाफ को ट्रेंड करेंगे

आंकड़ों को देखने पर पता चलता है कि अब ई-चालान बनाने से ज्यादा आसान पीओएस पर जुर्माना काटना हो गया है। वहीं सीसीटीवी कैमरे का अब ज्यादा उपयोग नहीं हो रहा है। इसके अलावा पीओएस मशीन का उपयोग करने वाले पुलिसकर्मियों को इस बात का भी डर सता रहा था कि अगर सर्वर डाउन हुआ तो भविष्य में चालान के पैसों में हुए हेरफेर का पैसा की तनख्वाह से कटेगा। हाथ से रसीद बनाने के मुकाबले पीओएस मशीन से कम रसीद बन पाती है। आने वाले समय में इसका उपयोग बढ़ सकता है। उसी तरह से स्टाफ को ट्रेनिंग दी जाएगी।

पीओएस मशीन से वसूलने वाले जुर्माने लगातार बढ़ रहे, ई-चालान कम हुआ

पिछले छह महीनों के आंकड़ों के देखा जाए तो जहां अप्रैल के बाद मई महीने से ट्रैफिक पॉइंट पर वसूलने वाले जुर्माना बढ़ा है। वहीं ई-चालान 1000 के नीचे आ गया है और पीओएस मशीन से वसूलने वाले जुर्माने लगातार बढ़ रहे हैं। अप्रैल महीने में ट्रैफिक पॉइंट पर 27833 रसीदें काटी गई थीं, जो मई में बढ़कर 34909 हो गई थी। वहीं ई-चालान अप्रैल में 1040 था जो मई में 465 हो गया और पीओएस 20 मई से शुरू किया था जिसने मई के 11 दिनों में ही 5563 चालान बनवा दिए थे। पुलिस ट्रैफिक मैनेजमेंट के साथ इंफोर्समेंट पर भी ध्यान दे रही है। पीओएस मशीन का अच्छा रिस्पॉन्स है।

ग्रीन दिवाली-वायु प्रदूषण 15 फीसदी कम करेगी मनपा, एयर क्वॉलिटी की निगरानी करने के लिए वेबसाइट लॉन्च होगी, मॉनिटरिंग स्टेशन भी बढ़ाए जाएंगे

दिवाली के त्योहार में भारी मात्रा में पटाखे जलाने से वायु प्रदूषण तेजी से बढ़ जाता है। लोगों की जागरूकता के लिए प्रदूषण मुक्त दिवाली, ग्रीन दिवाली मनाने के लिए मनपा कार्यक्रम आयोजित करेगी। वायु प्रदूषण को सुधारने की चल रही योजना के संदर्भ में सिटी एयर एक्शन प्लान पर मनपा की एयर क्लॉलिटी इम्प्लीमेंटेशन कमेटी की बैठक में आवश्यक निर्देश दिए गए। शहर में हवा की गुणवत्ता को मापने के लिए एयर क्वॉलिटी मॉनिटरिंग स्टेशन बढ़ाए जाएंगे। अभी लिंबायत और वराछा में दो स्टेशन कार्यरत हैं। अब अन्य क्षेत्रों को भी इसमें शामिल किया जाएगा। मनपा शहर में वायु प्रदूषण को सुधारने के लिए गंभीर है। मनपा ने एयर क्लॉलटी मैनेजमेंट सेल वेबसाइट भी बनाई है। कमेटी की बैठक में वेबसाइट की समीक्षा की गई। जल्द ही इसे लॉन्च किया जाएगा। अभी शहर में लिंबायत और वराछा में ही एयर क्वॉलिटी स्टेशन कार्यरत, अब अन्य क्षेत्रों भी लगाए जाएंगे मनपा कमिश्नर-जीपीसीबी के अधिकारियों ने की चर्चा गुरुवार को मनपा में चौथी एयर क्वा ॅलिटी इम्प्लीमेंटेशन की बैठक हुई, जिसमें मनपा कमिश्नर, जीपीसीबी के अधिकारियों की टीम, एन्वायरोमेंटल सेज और सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट के कार्यपालक इंजीनियर, डब्ल्यूआरआई के अध्यक्ष, जीआईजेड के टेक्निकल एडवाइजर समेत अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद थे।वायु गुणवत्ता में सुधार करने वालों को सम्मानित करेंगे

सेवासेतु फिर शुरु होगा, सभी योजनाओं का लाभ एक ही जगह मिलेगा

पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी की सरकार के पांच साल पूर्ण होने के समय सेवासेतु कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। उसके बाद एक बार फिर सेवासेतु कार्यक्रम शुरू किए जा रहे हैं। मनपा शुक्रवार को सेंट्रल जोन के रुस्तमपुरा कम्युनिटी हा ॅल से इसकी शुरुआत करेगी। शुक्रवार सुबह 5 बजे से शाम 5 बजे के दौरान मां कार्ड, राशन कार्ड, नॉन क्रीमीलेयर प्रमाणपत्र, आधारकार्ड से जुड़े सभी काम एक ही जगह किए जाएंगे। लोगों को आवश्यक कागजात साथ लाने रहेंगे। सेंट्रल जोन के अलावा शहर के बाकी जोन में भी यह सेवा सेतु कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस मौके पर मेयर हेमाली बोघावाला, दर्शना जरदोष, सीआर पाटिल, पूर्णेश मोदी, हर्ष संघवी, वीनू मोरडिया

और मुकेश पटेल मौजूद रहेंगे। आम नागरिकों की समस्याएं मौके पर ही हल की जाएंगी। जिले की हर तहसील में भी यह कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

उनमें से महुवा तालुका में तरसाडी गांव प्राथमिक विद्यालय, चोर्यासी तालुका में खरवासा प्राथमिक विद्यालय, मांडवी में कमलापुर प्राथमिक विद्यालय, मांगरोल में भीलवाड़ा गांव, कामरेज में नवागाम, बारडोली में सरभोन, उमरपाड़ा में उचवान प्राथमिक विद्यालय, सूरत में पलसाना प्राथमिक विद्यालय में यह सेवा उपलब्ध होगी। अभी सेवासेतु के 6 सफल चरणों में 2.30 करोड़ लोगों को मौके पर विभिन्न सेवाएं प्रदान की गई हैं। सातवें चरण में कुल 2500 कार्यक्रम होंगे।

पाकिस्तान के इन खिलाड़ियों से भारत को रहना होगा सावधान, एक चूक पड़ सकती है भारी

आईसीसी टी-20 विश्व कप 2021 में भारत और पाकिस्तान के बीच 24 अक्तूबर को मुकाबला खेला जाएगा। देश और दुनिया के क्रिकेट फैंस इस मैच का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। टीम इंडिया ने अपना विश्व कप अभियान शुरू करने के से पहले वार्म-अप मैचों में धमाकेदार प्रदर्शन करते हुए दोनों मुकाबले जीते। इस दौरान भारत ने इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया को मात दी। वहीं, अभ्यास मैचों पाकिस्तान का प्रदर्शन भारत जितना बेहतर नहीं रहा। वेस्टइंडीज के खिलाफ पाकिस्तान को जीत मिली लेकिन दक्षिण अफ्रीका के आगे उसे हार का सामना करना पड़ा। कुछ भी हो भारत और पाकिस्तान के बीच खेले जाने वाले मैच में रोमांच हमेशा अपने चरम पर होता है। आइए आपको बताते हैं कि पाकिस्तान के वह कौन से पांच खिलाड़ी हैं जो इस मुकाबले में टीम इंडिया पर भारी पड़ सकते हैं। बाबर आजमपाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम को दुनिया का बेहतरीन बल्लेबाज माना जाता है। उनका कवर ड्राइव विराट कोहली से बेहतर होता है। साउथ अफ्रीका के खिलाफ अभ्यास मैच में भले ही वह जल्दी आउट हो गए हों लेकिन वेस्टइंडीज के विरुद्ध वह अर्धशतक लगाने में सफल रहे थे। बाबर आजम जिस तरह से बल्लेबाजी करते हैं उससे भारत को सतर्क रहना होगा। टीम इंडिया की कोशिश होगी कि वह बाबर को जल्दी आउट करे। बाबर पहली बार टी-20 विश्व कप में खेलेंगे। इससे पहले साल 2016 टी-20 वर्ल्ड कप में वह पाकिस्तान की टीम में शामिल थे लेकिन बाद में उन्हें मौका नहीं दिया गया था। इसके अलावा बाबर आजम पहली बार भारत के खिलाफ टी-20 मुकाबला खेलने उतरेंगे। शोएब मलिकदोनों टीमों में शोएब मलिक के जितना अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के अनुभव वाला दूसरा कोई क्रिकेटर नहीं है। टेस्ट और वनडे को अलविदा कह चुके शोएब लंबे अरसे से पाकिस्तान का टी-20 इंटरनेशनल में प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शोएब मलिक भारत के खिलाफ सबसे सफल टी-20 बल्लेबाज हैं। उन्होंने भारत के खिलाफ 8 टी-20 मैचों में 164 रन बनाए हैं जिनमें उनका एक अर्धशतक शामिल है। वह मध्यक्रम के धाकड़ बल्लेबाज हैं और तेजी से रन बनाने के लिए जाने जाते हैं। टीम इंडिया का यही प्रयास होना चाहिए कि शोएब मलिक क्रीज पर ज्यादा देर न टिकें। मोहम्मद हफीजभारत के खिलाफ टी-20 क्रिकेट में दूसरे सबसे सफल बल्लेबाज मोहम्मद हफीज हैं। वह टी-20 इंटरनेशनल में वर्षों से पाकिस्तान का बोझ ढो रहे हैं। हफीज भले ही 41 साल के हो गए हों लेकिन उन्होंने कभी उम्र को हावी नहीं होने दिया। वह किसी युवा क्रिकेटर की अपेक्षा ज्यादा रचनात्मक शॉट लगाते हैं। यही वजह हे कि वह पाकिस्तान की राष्ट्रीय टीम के अलावा दुनिया की कई टी-20 लीग में लगातार खेल रहे हैं। हफीज ने भारत के खिलाफ सात मैच खेले है जिनमें उनके नाम 156 रन दर्ज हैं। इस दौरान उन्होंने भारत के खिलाफ दो अर्धशतक भी लगाए। हफीज वह बल्लेबाज हैं जो क्रीज पर टिकने के बाद हवाई शॉट्स खेलना पसंद करते हैं। भारत को उन्हें जल्दी आउट करना होगा। मोहम्मद रिजवानभारत को विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान से भी सावधान रहना होगा। क्योकि वह काफी दिनों से क्रिकेट के सभी प्रारूपों में बेहतरीन बल्लेबाजी कर रहे हैं। पाकिस्तान की पारी का आगाज करने वाले रिजवान शुरुआत से ही हावी होकर खेलते हैं। वह पहली बार टी-20 विश्व कप में खेलेंगे। इसके रिजवान भारत के खिलाफ भी पहली बार टी-20 मैच में खेलते नजर आएंगे। मोहम्मद रिजवान की बात करें तो उन्होंने पाकिस्तान के लिए 43 टी-20 इंटरनेशनल मैचों में 1065 रन बनाए हैं जिनमें एक शतक समेत 8 अर्धशतक शामिल हैं। इसी साल उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी-20 इंटरनेशनल मैच में शतक भी लगाया है। कुल मिलाकर भारत को रिजवान से सावधान रहने की जरूरत है। शाहीन अफरीदीबाएं हाथ के तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी मौजूदा समय में पाकिस्तान के चैंपियन बॉलर हैं। उनकी तेज और कोण बनाती हुई गेंदें बल्लेबाजों से तरह-तरह के सवाल पूछती हैं। इतिहास गवाह है कि बाएं हाथ के गेंदबाज ज्यादा खतरनाक होते हैं। भारतीय बल्लेबाजों को उनके खिलाफ चौकस रहना होगा। यह सही है कि शाहीन ने आज तक भारत के खिलाफ कोई भी टी-20 मुकाबला नहीं खेला है। लेकिन टीम इंडिया को उन्हें हल्के में नहीं लेना चाहिए। आंकड़ों की बात करें तो शाहीन अफरीदी ने पाकिस्तान के लिए 30 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में 32 विकेट झटके हैं।

इस साल दर्शकों को मैच देखने में नहीं आएगा मजा, जानिए क्या है वजह

टी-20 वर्ल्डकप 2021 में टॉप 12 टीमों के मैच 23 अक्तूबर से शुरु हो रहे हैं। इस बार भारत को इस टूर्नामेंट की मेजबानी मिली है, लेकिन कोरोना वायरस के चलते सभी मैचों का आयोजन दुबई और ओमान में हो रहा है। आईपीएल 2021 का आयोजन भी इन्हीं मैदानों पर हुआ था। यहां की धीमी पिचों में बल्लेबाजों को बड़े शॉट खेलने में परेशानी हुई है और अधिकतर मैचों में ज्यादा रन नहीं बने हैं। चौके-छक्के न लगने से दर्शकों को आईपीएल के मैच पसंद नहीं आए और दर्शकों की संख्या में कमी आई है। टी-20 वर्ल्डकप में भी इन पिचों पर ज्यादा रन बनने मुश्किल हैं। ऐसे में टी-20 वर्ल्डकप के मैच भी दर्शकों को ज्यादा रास नहीं आएंगे और दर्शकों की संख्या में कमी आ सकती है। ऐसा होने पर आईसीसी और बीसीसीआई दोनों को नुकसान होना तय है। टी-20 फॉर्मेट में ताबड़तोड़ क्रिकेट खेला जाता है और बल्लेबाज खूब चौके-छक्के लगाते हैं। इसी वजह से टेस्ट और वनडे की तुलना में टी-20 क्रिकेट ज्यादा लोकप्रिय है। हालांकि, दुबई के मैदानों में ऐसा नहीं हुआ है और बल्लेबाज ज्यादा रन नहीं बना पाए हैं। इस वजह से आईपीएल 2021 की लोकप्रियता में कमी आई थी और टी-20 वर्ल्डकप में भी इसका असर पड़ना तय है। फैंस को पसंद आते हैं हाई स्कोरिंग मैचक्रिकेट के जानकारों और खास फैंस को भले ही कम स्कोर वाले मैच भी मजेदार लगते हों, लेकिन आम फैंस को चौके-छक्के लगाने वाले बल्लेबाज पसंद आते हैं। उन्हें बाउंड्री लगने पर या विकेट गिरने पर जश्न मनाने का मौका मिलता है, इसलिए टी-20 क्रिकेट में ज्यादा दर्शक आते हैं। ऐसे में स्टॉकहोल्डर पिच क्यूरेटर से उम्मीद करेंगे कि आने वाले मैचों में ऐसी पिच बनाई जाएं, जिनमें ज्यादा चौके-छक्के लगें और दर्शकों की संख्या में इजाफा हो। कम स्कोर वाले मैचों की तुलना में ज्यादा स्कोर वाले मैच दर्शकों को ज्यादा पसंद आते हैं। इसी वजह से स्टॉकहोल्डर और विज्ञापन देने वाली कंपनियां हाई स्कोरिंग मैच कराना चाहती हैं। 135 रनों की तुलना में 170 रन वाले मैच ज्यादा लोकप्रिय160 से

180 वाले मैचों की तुलना में 200 से 250 रन वाले मैचों को दर्शक ज्यादा पसंद करते हैं, लेकिन इन दोनों मैचों में दर्शकों की संख्या ज्यादा अंतर नहीं होता है। वहीं 170 रन वाले मैच की तुलना में 135 रन वाले मैच को काफी कम दर्शक पसंद करते हैं। दर्शकों को वो मैच पसंद नहीं आते हैं, जिनमें गेंदबाजों का बोलबाला रहता है और तीन-चार ओवरों तक लगातार कोई बाउंड्री नहीं लगती है। अगर कोई टीम 180 रन पर ऑलआउट होती है तो दर्शकों को इस मैच में भरपूर एक्शन देखने को मिलता है, लेकिन जब कोई टीम 120 रनों पर सिमट जाती है तो उन्हें चौके-छक्के देखने को नहीं मिलते और दर्शक मैच देखना पसंद नहीं करते। बल्लेबाजों को ज्यादा पसंद करते हैं फैंसटी-20 क्रिकेट में दर्शक विकेटों की बजाय चौके-छक्के देखना ज्यादा पसंद करते हैं। इसी वजह से 80 फीसदी लोकप्रिय क्रिकेटर बल्लेबाज होते हैं। रोहित शर्मा से लेकर क्रिस गेल और एबी डिविलियर्स तक वो सभी खिलाड़ी जो बड़े शॉट खेलने में माहिर हैं उन्हें ही फैंस ज्यादा पसंद करते हैं।

वहीं उनकी तुलना में जसप्रीत बुमराह और राशिद खान जैसे गेंदबाजों को फैंस उतना पसंद नहीं करते हैं, जितना वो अपने चहेते बल्लेबाज को करते हैं। इसी वजह से टी-20 क्रिकेट की लोकप्रियता बनाए रखने के लिए हाई स्कोरिंग मैच होने जरूरी हैं।पारी के अंत में ज्यादा मैच देखते हैं दर्शकटी-20 क्रिकेट में अधिकतर दर्शक पूरा मैच नहीं देखते हैं। वो पहली पारी की शुरुआत में मैच देखते हैं और बीच में दूसरे कामों में व्यस्त हो जाते हैं पारी के अंत में ज्यादा चौके-छक्के लगते हैं। इस वजह से पहली पारी के अंत में दर्शकों की संख्या बढ़ जाती है। वहीं पहली पारी के शुरुआती चार ओवरों में तीन-चार विकेट गिरने पर दर्शक ऐसा मान लेते हैं कि मैच में ज्यादा रोमांच नहीं होगा और वो दूसरी पारी के अंत में मैच तभी देखते हैं, जब मैच फंस रहा हो। पहली पारी की शुरुआत में ही खूब रन बनने पर दर्शकों की रुचि मैच में बढ़ जाती है और लगातार मैच देखने की कोशिश करते हैं, क्योंकि चौके-छक्के लगने से उनका भरपूर मनोरंजन होता रहता है। अच्छी रन चेज होने पर दूसरी पारी के अंत में दर्शकों की संख्या सबसे ज्यादा होती है। इसी वजह से कोहली और धोनी जैसे खिलाड़ी ज्यादा लोकप्रिय हैं, जो लक्ष्य का पीछा करते हुए अच्छा प्रदर्शन करते हैं।

बुमराह से शाहीन की तुलना को आमिर ने बताया बेवकूफी, कहा- वह अभी सीख रहे हैं

आईसीसी टी-20 विश्व कप में भारत और पाकिस्तान के बीच 24 अक्तूबर को मैच खेला जाएगा। इस महामुकाबले का इंतजार क्रिकेट फैंस बेसब्री से कर रहे हैं। इस मैच में जहां बल्लेबाजी में सबकी निगाहें विराट कोहली, बाबर आजम और रोहित शर्मा पर हैं, वहीं गेंदबाजी में जसप्रीत बुमराह और शाहीन अफरीदी अपनी-अपनी टीमों की नैया पार लगाने की कोशिश करेंगे। बीते कूछ समय से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शाहीन शाह अफरीदी शानदार गेंदबाजी कर रहे हैं। जिसके चलते कुछ क्रिकेट विशेषज्ञ शाहीन की तुलना बुमराह से कर रहे हैं। लेकिन पाकिस्तान के फास्ट बॉलर मोहम्मद आमिर ने ऐसे लोगों की क्लास लगाई है।

उन्होंने बुमराह से अफरीदी की तुलना करने वालों को बेवकूफ कहा है। बुमराह-शाहीन की तुलना करने वाले बेवकूफएक यूट्यूब चैनल से बात करते हुए मोहम्मद आमिर ने कहा, शाहीन शाह अफरीदी अभी युवा हैं और वह सीख रहे हैं जबकि, जसप्रीत बुमराह मझे हुए गेंदबाज हैं और वह लंबे समय से भारत के लिए

खेल रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, इन दोनों गेंदबाजों की आपस में तुलना करना बेवकूफी है।

वहीं, आमिर ने भारत-पाकिस्तान मैच को लेकर कहा कि इस मुकाबले में टीम इंडिया का पलड़ा भारी है। उनका कहना है कि भारत के खिलाड़ी हाल ही में यूएई में खेले हैं और वह यहां की परिस्थितियों से अच्छी तरह वाकिफ हैं। उन्होंने आगे कहा, भारत-पाकिस्तान मैच वाले दिन जो प्रेशर को अच्छी तरह से मैनेज करेगा वही मुकाबला जीतेगा। भारत का स्पिन अटैक बेहतरमोहम्मद आमिर के मुताबिक, भारत का स्पिन गेंदबाजी आक्रमण पाकिस्तान के मुकाबले काफी बेहतर है।

उन्होंने कहा, भारत के पास एज है, क्योंकि रवींद्र जडेजा, आर अश्विन और वरुण चक्रवर्ती ने इंडियन प्रीमियर लीग में अच्छी गेंदबाजी की है। उन्होंने आगे कहा, भारत और पाकिस्तान की टीमें टी-20 विश्व कप में अब तक पांच पार मैच खेल चुकी हैं और हर बार भारत मैच जीतने में सफल रहा।

ग्लोबल वार्मिंग-अमेरिका ने 10 अन्य देशों के साथ भारत को 'चिंता के देश' की सूची में शामिल किया

अमेरिका ने भारत और 10 अन्य देशों को जलवायु परिवर्तन से सबसे ज्यादा प्रभावित होने वाला देश करार दिया है। अमेरिका ने एक सूची बनाई है जिसमें भारत और 10 अन्य देशों को 'चिंता के देश' के रूप में वर्गीकृत किया है।अमेरिकी खुफिया समुदाय के आकलन के अनुसार, ग्लोबल वार्मिंग का सबसे ज्यादा खामियाजा इन देशों को भुगतना पड़ेगा। इन देशों में लगातार गर्म हवाओं की तीव्र लहरें चल सकती है, यहां के लोगों को सूखा और पानी-बिजली की कमी का सामना करना पड़ सकता है।10 अन्य देशों में शामिल हैं ये देशभारत के अलावा सूची में शामिल अन्य देश अफगानिस्तान, ग्वाटेमाला, हैती, होंडुरास, इराक, पाकिस्तान, निकारागुआ, कोलंबिया, म्यांमार और उत्तर कोरिया हैं। अमेरिकी रिपोर्ट में कहा गया है कि खुफिया समुदाय ने आकलन किया है कि 11 देशों को 'गर्म तापमान, मौसम में ज्यादा परिवर्तन और समुद्र के पैटर्न में व्यवधान का सामना करना पड़ सकता है जिससे उनकी ऊर्जा, भोजन, पानी और स्वास्थ्य सुरक्षा को खतरा होगा।'जलवायु पर पहली बार राष्ट्रीय खुफिया अनुमान (एनआईई) को राष्ट्रीय खुफिया निदेशक के अमेरिकी कार्यालय द्वारा एक साथ रखा गया, जो 16 खुफिया एजेंसियों की देखरेख करता है। इस रिपोर्ट को गुरुवार को जारी किया गया, जिसने जलवायु को लेकर चिंता के दो क्षेत्रों की भी पहचान की है और अफ्रीकी महाद्वीप के देशों का भी नाम दिया है।रिपोर्ट में कहा गया है, 'खुफिया समुदाय ने 11 देशों और दो क्षेत्रों की पहचान की है जो जलवायु परिवर्तन के खतरे से चिंतित हैं।' रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि 'इन देशों और क्षेत्रों में कठिनाइयों से जल्दी उबरने की क्षमता बढ़ने से संभवतः अमेरिकी हितों के लिए भविष्य के जोखिमों को कम करने में विशेष रूप से सहायक होगा।'जलवायु परिवर्तन से बड़े स्तर पर बीमारी फैलने की आशंकारिपोर्ट में कहा गया है कि ज्यादा गर्मी पड़ने और तीव्र चक्रवातों से जल स्रोतों के दूषित होने की संभावना है। ऐसे में बीमारी से ग्रसित आबादी में बढ़ोतरी होगी, और वे लोग दूसरे लोगों में भी बीमारी फैलाएंगे। आगे कहा गया है कि प्रोजेक्शन मॉडल बताते हैं कि भारत, अफगानिस्तान, ग्वाटेमाला, हैती, होंडुरास, इराक और पाकिस्तान में डेंगू की घटनाओं में वृद्धि होगी।रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत सहित इन 11 देशों में जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के अनुकूल होने के लिए वित्तीय संसाधनों या शासन क्षमता की कमी है, इससे अस्थिरता-प्रेरित प्रवास और विस्थापन प्रवाह के जोखिम बढ़ेंगे। यह अमेरिका की दक्षिणी सीमा को भी प्रभावित कर सकता है इसलिए उन्हें पहले से ही उच्च स्तर की विदेशी सहायता और मानवीय सहयोग पहुंचाने की जरूरत है।

100 करोड़ टीकाकरण का रिकॉर्ड-बिल गेट्स ने की भारत की जमकर तारीफ, ऐतिहासिक उपलब्धि पर कही ये बात

कोरोना महामारी के खिलाफ लड़ाई में भारत ने जिस तरह की भूमिका अदा की है, उसी दुनिया तारीफ कर रही है। देश ने टीकाकरण के मामले में ऐतिहासिक रिकॉर्ड स्थापित किया है। भारत ने गुरुवार को 100 करोड़ टीकाकरण के लक्ष्य को पार कर लिया। देश की इस उपलब्धि पर सबको नाज है। वहीं, इस बीच माइक्रोसॉफ्ट के सहसंस्थापक बिल गेट्स ने भारत की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर खुशी जाहिर की है। उन्होंने ट्वीट कर कहा, 'भारत ने वैक्सीन की 100 करोड़ खुराकें दी हैं, जो देश के नवाचार, बड़े पैमाने पर निर्माण करने की क्षमता और CoWIN द्वारा समर्थित लाखों स्वास्थ्य कर्मचारियों के प्रयासों का प्रमाण है। बधाई हो।' बिल गेट्स ने अपने इस ट्वीट में पीएम मोदी, स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया को भी टैग किया है। ऐतिहासिक उपलब्धि पर पीएममोदी ने कहा- भारत ने इतिहास रच दियादेश की इस उपलब्धि पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत ने इतिहास

रच दिया है। पीएम मोदी ने टीकाकरण की इस उपलब्धि को भारतीय विज्ञान, उद्यमों और 130 करोड़ भारतीयों की सामूहिक भावना की जीत करार दिया। वहीं, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने ट्वीट करके देश को 100 करोड़ टीकाकरण की उपलब्धि हासिल करने पर बधाई दी और कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सक्षम नेतृत्व का परिणाम है।टीकाकरण में वीआईपी कल्चर हावी होने नहीं दिया: पीएम मोदीपीएम मोदी ने कहा कि हमने टीकाकरण में वीआईपी कल्चर हावी होने नहीं दिया। उन्होंने कहा कि सबको साथ लेकर देश ने 'सबको वैक्सीन-मुफ्त वैक्सीन' का अभियान शुरू किया। गरीब-अमीर, गांव-शहर, दूर-सुदूर, देश का एक ही मंत्र रहा कि अगर बीमारी भेदभाव नहीं करती, तो वैक्सीन में भी भेदभाव नहीं हो सकता।भारत ने अपने 100 करोड़ नागरिकों को मुफ्त वैक्सीन लगाई: पीएम मोदीपीएम मोदी ने कहा कि भारत ने अपने नागरिकों को 100 करोड़ वैक्सीन डोज लगाई है और वो भी बिना पैसा लिए। 100 करोड़ वैक्सीन डोज का एक प्रभाव ये भी होगा कि अब दुनिया भारत को कोरोना से ज्यादा सुरक्षित मानेगी।

नेपाल-भारी बारिश ने मचाई तबाही, बाढ़ से अब तक 88 की मौत, 20 जिले बुरी तरह से प्रभावित

नेपाल में भारी बारिश की वजह से आई बाढ़ से 20 जिले प्रभावित हैं। बझाड़ जिले में 21 लोग लापता हैं। हालांकि गुरुवार से मौसम की स्थिति में सुधार हुआ है।

नेपाल में भारी बारिश और उसके कारण आई बाढ़ से देश के विभिन्न हिस्सों में 11 और लोगों की मौत होने के बाद बृहस्पतिवार को मृतकों की संख्या बढ़कर 88 हो गई। आपदा प्रबंधन विभाग ने बताया कि अब तक 30 लोग लापता हैं। नेपाल के जिले पांचथर में सबसे ज्यादा 27 लोगों की मौत हो गई, जबकि इलाम और दोती जिलों में 13-13 लोगों की मौत हो गई।इनके अलावा कालीकोट, बैताड़ी, दडेलधुरा, बजंग, हुमला, सोलुखुम्बु, प्यूथन, धनकुटा, मोरंग, सुनसारी और उदयपुर समेत 15 जिलों में भी लोगों की मौत की खबरें हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि बुधवार को 63

लोगों की मौत हुई, जबकि मंगलवार को मरने वालों की संख्या 14 थी। नेपाल में आई इस आपदा से 20 जिले प्रभावित हैं। बझाड़ जिले में 21 लोग लापता हैं।हालांकि बृहस्पतिवार से मौसम की स्थिति में सुधार हुआ है। इस बीच गृह मंत्री बालकृष्ण खंड ने नेपाल पुलिस, सशस्त्र पुलिस बल, राष्ट्रीय अन्वेषण विभाग और नेपाली सेना को हुमला जिले में फंसे हुए पर्यटकों को निकालने का निर्देश दिया है।चार विदेशियों समेत 12 लोग फंसेकाठमांडो से 700 किलोमीटर दूर पश्चिम में नखला और हुमला जिलों में 12 लोग फंसे हैं जिनमें चार स्लोविनिया के नागरिक और तीन गाइड शामिल हैं। ये लोग लिमि क्षेत्र में भारी बर्फबारी के कारण सड़क बाधित होने से फंस गए हैं। हुमला के मुख्य जिलाधिकारी गणेश आचार्य ने कहा कि ये लोग लिमि में पर्वतारोहण करने के बाद सिमिकोट वापस आ रहे थे। लेकिन इस दौरान क्षेत्र में हिमपात के कारण बचाव कार्य नहीं हुआ।

विवेक ओबेरॉय और डेज़ी शाह के हाथो पिआरवो नगमा खान को मिड डे शोबिज अवार्ड से,दुबई में सम्मानित किया गया

शाज़ मीडिया एंटरटेनमेंट की संस्थापक और सीईओ नगमा खान को द आइकॉनिक पीआर एंड एंटरप्रेन्योर अवार्ड से सम्मानित किया गया, जिसे बॉलीवुड अभिनेत्री डेज़ी शाह और अभिनेता विवेक ओबेरॉय ने दुबई में आयोजित मिड डे शोबिज अवार्ड में अपनी उपस्थिति में प्रदान किया। नगमा खान शाही परिवार से हैं। टोंक रियासत के नवाब की एक बेटी नगमा शाज़ मीडिया एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड कंपनी की संस्थापक और प्रबंध निदेशक हैं, जो प्रचार, कार्यक्रमों और मीडिया प्रोडक्शन के लिए एक लोकप्रिय वन स्टॉप डेस्टिनेशन है। नगमा एक उद्यमी और बढ़ते ओटीटी एंटरटेनमेंट प्लेटफॉर्म 'टॉकीज' के निर्देशकों में से एक हैं। एक महिला उद्यमी नगमा का बेंगलुरु और चेन्नई में भी मत्स्य पालन के क्षेत्र में अपना व्यवसाय है और पहले से ही फिल्म निर्माण और एमएक्स प्लेयर प्लेटफॉर्म पर एक 'निर्माता' के रूप में वेब श्रृंखला और सामग्री का मंथन कर चुकी हैं। कुछ नाम रखने के लिए नगमा ने सिस्टम अपडेट, ड्रेक्स और डक का निर्माण किया है जो वर्तमान में एमएक्स प्लेयर (ओटीटी प्लेटफॉर्म) पर स्ट्रीमिंग कर रहा है और सामाजिक नाटक 'भूमि' जो जल्द ही रिलीज होने वाली है। अपने शाज़ मीडिया मनोरंजन बैनर नगमा के तहत कई खेल आयोजनों की अध्यक्षता करने के बाद, प्रसिद्ध बॉक्सर माइक टायसन द्वारा शीर्षक वाले सबसे चर्चित अंतर्राष्ट्रीय एमएमए कार्यक्रम का श्रेय दिया जाता है। खान रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष और सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री श्री के आधिकारिक प्रवक्ता भी हैं। राम दास आठवले. एक कट्टर समाज सुधारक नगमा ने निष्कर्ष निकाला कि सामाजिक कारणों और गैर सरकारी संगठनों का भी समर्थन करता है।

बॉलीवुड के मशहूर मार्शल आर्ट एक्सपर्ट चीता यज्ञेश शेट्टी 'सैंडस्टोन एंटरटेनमेंट' के सीईओ नियुक्त

"भारत का पहला स्वदेशी ओपन ओटीटी एप्प 'सेंडस्टोनप्रो' है।"- चीता यज्ञेश शेट्टी (सीईओ,सैंडस्टोन एंटरटेनमेंट)

मुंबई। 'सैंडस्टोन एंटरटेनमेंट' द्वारा भारत का 'यूट्यूब' की तरह एक अलग प्रकार का पहला स्वदेशी ओपन ओटीटी एप्प 'सेंडस्टोनप्रो ' है, जोकि केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास आठवले के हाथों रविवार १० अक्टूबर २०२१ को मुंबई के रहेजा क्लासिक क्लब, लोखंडवाला में लांच किया गया। जिसके चेयरमैन पंकज कमल व मैनेजिंग डायरेक्टर आरती कमल हैं। भारत के व बॉलीवुड मार्शल आर्ट एक्सपर्ट तथा 'चिता जीत कुन डू ग्लोबल स्पोर्ट्स फेडरेशन' के संस्थापक, चेयरमैन चीता यज्ञेश शेट्टी को 'सैंडस्टोन एंटरटेनमेंट' कंपनी का सीईओ नियुक्त किया गया। चीता यज्ञेश शेट्टी एप्प के बारे में कहते है," यह भारत का पहला स्वदेशी ओपन ओटीटी एप्प 'सेंडस्टोनप्रो' है। जिसके जरिये आप अपना चैनल बनाकर फिल्म, विडिओ, वेब सीरीज़, शार्ट फिल्म इत्यादि रिलीज कर पैसा कमा सकते है। इसमें कई एडवांस फीचर रक्खे गए है, जिससे लोगों को ज्यादा परेशानी ना हो और बेहतरीन क़्वालिटी के प्रोग्राम बना सके।

इसमें अपना सेंसर बोर्ड होगा, जिसमें पास होने के बाद ही फिल्मे रिलीज होगी। इसमें हर तरह के इंटरटेनमेंट कार्यक्रम के ऑप्सन है। इसमें विडिओ सॉन्ग,ऑडियो सॉन्ग, स्टॉक वीडियोस, स्टॉक इमेजेस, स्टॉक ऑडियो इत्यादि का भी कैटेगरी है। इसमें रिलीज़ होने वाली फिल्मों के डेट, बनने वाली फिल्मो की जानकारी व प्रोमो इत्यादि भी देखने को मिलेगी।"

प्रमोशन के लिए कुछ भी

मुंबई, फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े कलाकारों को चकाचौंध भरी दुनिया के अनुरूप खुद को टिप-टॉप बनाए रखना पड़ता है। खासकर अभिनेत्रियों के लिए ये और भी ज्यादा जरूरी होता है और जब बात किसी नई फिल्म की हो तो खर्चा और भी बढ़ जाता है। ऐसा ही कुछ अभिनेत्री कैटरीना कैफ के मामले में देखने को मिला। विक्की कौशल को लेकर सुर्खियों में बनी रहनेवाली वैâट हाल ही में अपनी आनेवाली फिल्म 'सूर्यवंशी' के प्रमोशन पर नजर आईं। इस दौरान वो वन-शोल्डर व्हाइट बॉडीकॉन ड्रेस में नजर आईं। कैटरीना के इस ड्रेस की कीमत ४८,२१५ रुपए में बताई जा रही है। वैâटरीना ने अपनी इन तस्वीरों को इंस्टाग्राम पर शेयर किया है, जिसे लोग काफी पसंद कर रहे हैं।

मोक्ष या सुकून?

मुंबई, बॉलीवुड एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा का फिल्मी करियर काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा है। हालांकि, इन दिनों परिणीति एक साथ कई फिल्में कर रही हैं। इसी बीच वह अचानक नेपाल पहुंच गईं। वे आए दिन अपनी खूबसूरत तस्वीरें शेयर कर रही हैं। परिणीति ने अपनी इन तस्वीरों के साथ वैâप्शन में लिखा है, 'डेली मेडिटेशन, मेरा राजा।' हिमालय की खूबसूरत वादियों में परिणीति की तस्वीरें देखकर पैंâस सोच रहे होंगे कि परिणीति सुकून की तलाश या मोक्ष की चाहत में वहां गई होंगी लेकिन ऐसा कुछ भी नहीं है। असल में वे यहां अपनी अपकमिंग फिल्म 'ऊंचाई' की शूटिंग कर रही हैं।

जिम्मेदार जाह्नवी

मुंबई, बेहद कम वक्त में बॉलीवुड में अपनी एक अलग पहचान बनानेवाली अभिनेत्री जाह्नवी कपूर एक जिम्मेदार नागरिक भी हैं। इसका प्रमाण हाल ही में मुंबई एयरपोर्ट पर देखने को मिला। अब तक के अपने करियर में कई फिल्मों में काम कर चुकीं जाह्नवी और उनके पिता बोनी कपूर का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इन दोनों का यह वीडियो मुंबई एयरपोर्ट का ही है। एयरपोर्ट पर पैपराजी के कहने पर जब बोनी कपूर पोज देने के लिए अपना मास्क उतारते हैं, तो ऐसा करने से जाह्नवी उन्हें रोक देती हैं और फोटोग्राफर पर नाराज होते हुए कहती हैं कि ऐसी गलत एडवाइज मत दीजिए।

हाय गर्मी...

मुंबई, बॉलीवुड की बोल्ड और बिंदास अभिनेत्री बिपाशा बसु अब फिल्मों में ज्यादा एक्टिव नहीं हैं लेकिन वे अभी भी अपनी लेटेस्ट पोस्ट और बोल्ड तस्वीरों से इंटरनेट का पारा बढ़ा देती हैं। बिपाशा ने हाल ही में एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वो हैंडसम हंक हब्बी करण ग्रोवर के साथ पूल में सनी डे एन्जॉय करती नजर आ रही हैं। ये दोनों एक-दूसरे के प्रति अपने प्यार को जाहिर करने के लिए एक शब्द का इस्तेमाल करते हैं 'मंकी लव', जो इस वीडियो में साफ नजर आ रहा है। इस रोमांटिक कपल का ये वीडियो देखते-ही-देखते वायरल हो रहा है, जिसे पैंâस द्वारा काफी पसंद किया जा रहा है। वीडियो में इनके 'मंकी लव' को देखकर पैंâस तो गर्मी, गर्मी ही चिल्ला रहे होंगे।

सवाल इमेज का

मुंबई, बॉलीवुड में सीरियल किसर के रूप में कुख्यात अभिनेता इमरान हाशमी की पैâन फॉलोविंग बहुत ही अच्छी है। उनकी फिल्मों खासकर फिल्म के गानों के लाखों पैâन हैं लेकिन इन सबके बावजूद इमरान अपना टैग बदलने का प्रयास करते नजर आए हैं। इसी प्रयास में पिछली कुछ फिल्मों में उन्होंने अलग हटके किरदार निभाया था। अब एक बार फिर इमरान अपने पैंâस के लिए हॉरर-थ्रिलर जॉनर की फिल्म 'डिब्बुक-द कर्स इज रियल' लेकर आ रहे हैं। इस फिल्म का टीजर हाल ही में रिलीज हुआ है और तभी से इस फिल्म को लेकर चर्चा शुरू हो गई थी। अब 'डिब्बुक...' का ट्रेलर कल रिलीज किया गया। इस फिल्म में इमरान हाशमी के साथ एक्ट्रेस नि◌िकता दत्ता नजर आनेवाली हैं। फिल्म का ट्रेलर जबरदस्त है और इसे देखकर आपको भी डर की एक सिहरन पैदा हो सकती है।

फिल्मों में रिक्रिएट गानों का धमाल-500 डांसरों के साथ तीन दिन में शूट हुआ 'अईला रे अईला' गाना, फिल्म में इंटरवल के बाद आएगा

सूर्यवंशी' का पहला गाना 'अईला रे अईला' लॉन्च किया गया। यह रीक्रिएटेड सॉन्ग है। फिल्म से जुड़े सूत्रों ने बताया कि फिल्म में कुल तीन गाने हैं। इस गाने की मेकिंग में 500 जूनियर डांसरों ने भी अक्षय, अजय और रणवीर के साथ परफॉर्म किया है। मूल गाना अक्षय कुमार की ही फिल्म 'खट्टा मीठा' का है। डायरेक्टर रोहित शेट्टी का आयडिया था कि फिल्म के मेन लीड अक्षय कुमार हैं तो क्यों न उनकी ही किसी फिल्म का पॉपुलर गाना रीक्रिएट किया जाए। फिल्म में कुल तीन गानों में से एक 'टिप टिप बरसा पानी' का रीक्रएशन है। 'अईला रे अईला'

गाने की शूटिंग हैदराबाद के रामोजी फिल्म सिटी में हुई। वहां तीनों स्टार ने इसे तीन दिन में पूरा किया। गाने की कोरियोग्राफी गणेश आचार्य ने की सूत्रों ने जानकारी देते हुए कहा, 'इस गाने की शूटिंग नाइट शिफ्ट में ही की गई। ताकि आगे पोस्ट प्रोडक्शन में सीन में स्पेशल इफेक्ट्स ऐड किए जा सकें। इस गाने की कोरियोग्राफी गणेश आर्चाय ने की। यह गाना फिल्म में इंटरवल के बाद आएगा। बाकी दो गानों की कोरियोग्राफी फराह खान और रोहित शेट्टी ने मिलकर किए हैं। 'टिप टिप बरसा पानी' की भी शूटिंग हैदराबाद में हुई।

निर्माता उसे नेचुरल रेन में शूट करना चाहते थे, मगर तेज बारिश और तूफान के चलते उन्हें आर्टिफिशियल रेन में शूटिंग करनी पड़ी। अक्षय और कटरीना पर फिल्माए उस गाने में चार दिन लग गए थे। यह गाना भी नाइट में शूट किया गया। कुछ पोर्शन तो प्राकृतिक बरसात में हुई, मगर तेज बारिश और आंधी के चलते जिमी जिप कैमरा प्लेस करने में मुश्किलें आ रही थीं।

पैंडेमिक पर बात-सोनू सूद बोले- मुझे लगता है कि लोग अभी भी कोविड को हल्के में लेते हैं

बॉलीवुड एक्टर सोनू सूद को उनके फैन्स मसीहा कहते हैं, क्योंकी उन्होंने पैंडेमिक की वजह से हुए लॉकडाउन में देश भर में लाखों लोगों की मदद की थी। एक इंटरव्यू में बातचीत के दौरान सोनू कहते हैं कि उन्हें लगता है कि लोग कोरोना को हल्के में ले रहे हैं। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि अब पूरे देश को वैक्सीन लगवाने की जरूरत है।

सोनू ने दी कोरोना को हलके में ना लेने की सलाह सोनू कहते हैं, "मुझे लगता है कि लोग अभी भी कोविड को हल्के में लेते हैं। मैंने बहुत से लोगों को बिना मास्क के देखा है...आपको ऐसा नहीं करना चाहिए। पूरे देश को वैक्सीन लगवाने की जरूरत है, इसलिए हां, हमें ना केवल अपनी सुरक्षा, बल्कि अपने परिवार और चाहने वालों की सुरक्षा भी सुनिश्चित करनी चाहिए। सारी सतर्कता को पालन करना बहुत महत्वपूर्ण है।" रोजाना काम करने वाले श्रमिकों की कर रहे हैं सोनू मदद सोनू आगे कहते हैं, "हमने पहले ही रोजाना काम करने वाले श्रमिकों के लिए मुफ्त राशन अभियान का आयोजन किया है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप कौन हैं, स्पॉट बॉय, लाइटमैन या बस ड्राइवर...राशन की जरूरत वाला कोई भी व्यक्ति हो सकता है। यह पिछले 16 महीनों से वहां था। सभी को आगे आना चाहिए और सुनिश्चित करना चाहिए कि कोविड है या नहीं, यह सभी के लिए होना चाहिए। यह बहुत छोटी बात है और हम ऐसा कर सकते हैं।" फिल्म 'पृथ्वीराज' में नजर आएंगे सोनू सोनू पहले ही फिल्म 'पृथ्वीराज' में अपने हिस्से की शूटिंग पूरी कर ली है, जिसमें अक्षय कुमार हैं। इस बारे में वो कहते हैं, "मैंने थोड़ी सी शूटिंग की थी और डबिंग भी पूरी कर ली है। फिल्म अगले साल की शुरुआत में रीलीज होगी। पाइपलाइन में दो-तीन प्रोजेक्ट्स और हैं, जिनके लिए अनाउंसमेंट होने वाली है। वे सब बहुत अच्छे हैं।" प्रोफेशनल फ्रंट की बात करें तो वो इस वक्त अपने नए प्रोजेक्ट्स की शूटिंग में दिन और रात व्यस्त हैं। लॉकडाउन में खूब बंटोरी थीं सुर्खियां 48 वर्षीय सोनू सूद कोरोना संक्रमण के बाद लगे लॉकडाउन के दौरान काफी सुर्खियों में आए थे। उन्होंने लॉकडाउन में फंसे और मुंबई में रह रहे कई प्रवासियों को उनके घर पहुंचाने में मदद की थी। इतना ही नहीं, उन्होंने कई लोगों के रहने और खाने के साथ काम का भी इंतजाम किया था। लॉकडाउन के दौरान उनके कामों की सोशल मीडिया में खूब सराहना हुई थी। सोनू के पॉलिटिक्स में आने की भी खूब चर्चा हुई थी।

एक्ट्रेस का दर्द-नकली पैर के चलते एयरपोर्ट पर हर बार रोके जाने से दुखी हुई सुधा चंद्रन, नरेंद्र मोदी से की अपील

एक्ट्रेस सुधा चंद्रन ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर कर अपना दुख जाहिर किया है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो में खुलासा किया कि जब भी वह एयरपोर्ट जाती हैं तो उन्हें अपने आर्टिफिशल लिंब (कृत्रिम अंग) को निकालकर चेकिंग करवाने के लिए कहा जाता है। सुधा ने वीडियो में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से इस व्यवस्था को बदलने की गुहार लगाई है। सुधा वीडियो में कहती हैं, 'गुड ईवनिंग, यह एक बहुत ही पर्सनल चीज है जो मैं हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को बताना चाहती हूं। यह मेरी केंद्र और राज्य सरकारों से अपील है। मेरा नाम सुधा चंद्रन है। मैं एक अभिनेत्री और प्रोफेशनल डांसर हूं। मैंने आर्टिफिशियल लिंब के साथ डांस करके इतिहास रचा और कई बार अपने देश को गौरवान्वित किया है। लेकिन जब भी मैं प्रोफेशनल विजिट्स पर जाती हूं तो मुझे हर बार एयरपोर्ट पर रोक लिया जाता है। जब मैं सिक्यॉरिटी और सीआईएसएफ अफसरों से रिक्वेस्ट करती हूं कि प्लीज मेरे आर्टिफिशल लिंब के लिए ईटीडी (एक्सप्लोसिव ट्रेस डिटेक्टर) टेस्ट कर दीजिए, तो भी वो नहीं मानते और मुझे मेरा आर्टिफिशल लिंब उतारकर दिखाने के लिए कहते हैं। मोदी जी क्या यह इंसानियत है? क्या एक महिला दूसरी महिला को इसी तरह इज्जत देती है? मोदी जी मैं आपसे रिक्वेस्ट करती हूं कि आप सीनियर सिटीजन को कोई कार्ड दें ताकि वो कह सकें कि वो सीनियर सिटीजन हैं।' वीडियो को शेयर करते हुए सुधा ने लिखा, 'बहुत आहत हूं, हर बार इस तरह की ग्रिलिंग से बहुत दुख होता है, उम्मीद करती हूं कि मेरा मैसेज सेंट्रल गवर्नमेंट अथॉरिटी तक पहुंचे और वो जल्द से जल्द कोई एक्शन लें।' 17 साल की उम्र में काटना पड़ा था पैर 17 साल की उम्र में हुए एक हादसे में सुधा का पैर काटना पड़ गया था। जिसके बाद उनका डांसिंग करियर खतरे में पड़ गया, लेकिन उन्होंने नकली पैर से तैयारी कर फिल्म और टीवी इंडस्ट्री में पहचान कायम की। उनके इसी जज्बे पर फिर फिल्म बनी। ऐसे हुई थी हादसे का शिकार सुधा ने 3 साल की उम्र से भरतनाट्यम सीखना शुरू किया। वे रोज सुबह स्कूल जाती, फिर डांस स्कूल जाती और रात 9.30 बजे घर पहुंचती। वे 10वीं में 80 फीसदी के साथ क्लास टॉपर्स में थीं, लेकिन साइंस स्ट्रीम के बजाय आर्ट्स लिया ताकि डांस कंटिन्यू कर सकें। एक बार वे बस से जा रही थी और बस का एक्सीडेंट हो गया। जिसमें उनके पैर में फ्रैक्चर हुआ। सभी पैसेंजर्स में सबसे कम चोट उन्हें लगी। कुछ घाव भी थे। डॉक्टर ने उनकी पट्टी कर दी। कुछ वक्त बाद उस घाव में गैंगरिन हो गया। जिसके चलते

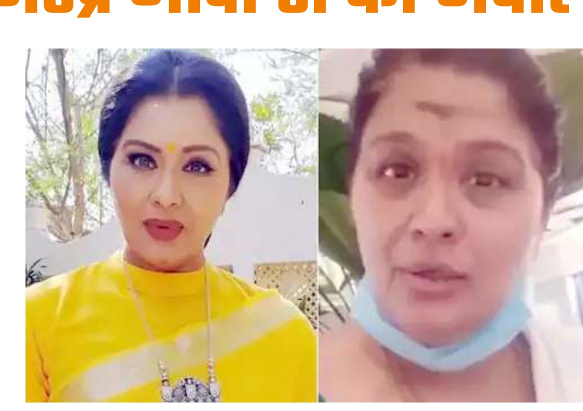

उनका पैर का पंजा अलग करना पड़ा। उस वक्त उनकी उम्र महज 17 साल की थी। सुधा को जयपुर में आर्टिफिशल लिंब लगाया गया और उन्होंने दोबारा चलना सीखा। 4 महीने तो उन्हें सीधा चलने में लग गए। कुछ समय बाद सुधा ने दोबारा डांस करना शुरू किया। जब उन्हें सेंट जेवियर्स में परफॉर्म करने का ऑफर आया तो स्टेज पर जाने से पहले वे काफी डरी हुई थी। हालांकि, परफॉर्मेंस बहुत अच्छी हुई, स्टैंडिंग ओवेशन मिला। परफॉर्मेंस के बाद स्टेज के पीछे पहुंची तो पिता ने उनके पैर छूते हुए कहा कि मैं सरस्वती के पैर छू रहा हूं, तुमने नामुमकिन को मुमकिन कर दिया। वह वक्त ही उनकी लाइफ का टर्निंग प्वाइंट बना।टीवी शोज के साथ सुधा 'नाचे मयूरी'(1986), 'शोला और शबनम'(1992), 'अंजाम'(1994), 'हम आपके दिल में रहते हैं'(1999), 'शादी करके फंस गया यार'(2006), 'मालामाल वीकली'(2006) के साथ कई साउथ फिल्मों में काम कर चुकी हैं।

पुनर्विकास - मुंबई में घर खरीदारों की नई पसंद

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

भारत का रियल एस्टेट क्षेत्र प्रवाह की स्थिति में है। यह बदलते आर्थिक परिदृश्य, रियल एस्टेट क्षेत्र में संरचनात्मक सुधार और RERA या NBFC कानूनों के कारण है। डेवलपर्स से लेकर घर-खरीदार किसी भी तरह के बदलाव को अपनाने के लिए तैयार हैं।

घर खरीदारों के लिए आवासीय समाज पुनर्विकसित संपत्तियों की तलाश में हैं। प्राइम लोकेशन की संपत्तियां अब पुनर्विकास परियोजनाओं के तहत उपलब्ध हैं। यह आर्किटेक्ट्स के लिए विशेषज्ञता के बढ़ते डोमेन के रूप में पाया जाता है जो लागत प्रभावी समाधान प्रदान करने में सक्षम हैं।

मौजूदा पुरानी इमारतों के लिए सबसे बड़ा खतरा धीरे-धीरे बिगड़ना और जीर्णता की स्थिति है। पुनर्विकास परियोजनाएं एक आवास स्टॉक को आश्वस्त कर रही हैं जो अधिक हवादार हैं, ऊर्जा कुशल और पर्यावरण के अनुकूल नवीनतम फिक्स्चर के साथ प्रदान की जाती है। वर्षा जल संचयन और सौर ऊर्जा से चलने पैदल मार्ग, टैरेस गार्डन को अपनाना निवासियों की शारीरिक जरूरतों को पूरा करने की दिशा में एक कदम है। संस्थानों में वास्तुकला परियोजनाएं अब संवेदनशील शहरी पुनर्विकास परियोजनाओं के एजेंडे को संबोधित कर रही हैं ताकि स्थिति को संबोधित करने में सक्षम पेशेवरों की एक टीम

वाली रोशनी के उपयोग से बेहतर ढंग से सुसज्जित हैं। अच्छी तरह से सीमांकित पार्किंग स्थल और स्टैक पार्किंग के उपयोग से सड़क से पार्किंग हटाने और शहरी स्थानों को खोलने में योगदान हो रहा है। शॉपिंग मोर्चों का विकास आवासीय समूहों के आसपास के क्षेत्र में विभिन्न प्रकार की अनंतिम दुकानों और सेवाओं तक आसान पहुंच प्रदान करने में योगदान दे रहा है। व्यायामशाला, तैयार की जा सके। अधिक जानकारी वेबसाइट tsapmumbai.in पर जाकर प्राप्त की जा सकती है।

शहर के विभिन्न नोड्स के बीच बेहतर कनेक्टिविटी की पेशकश करने वाली मेट्रो रेल सेवाओं के विकास के साथ आने वाले समय में, पुनर्विकास परियोजनाएं समग्र क्षितिज को बदल देंगी और भविष्य के लिए तैयार माहौल प्रदान करेंगी।

समीर वानखेड़े व नवाब मलिक में जुबानी जंग, एनसीपी नेता के आरोप पर एनसीबी अधिकारी ने दी मुकदमा की धमकी

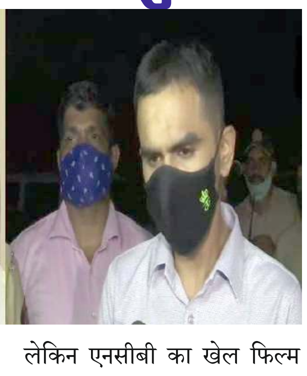

मुंबई। नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) के अधिकारी समीर वानखेड़े एवं राकांपा नेता नवाब मलिक के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। नवाब मलिक ने वानखेड़े पर विदेश जाकर बालीवुड के लोगों से उगाही करने का आरोप लगाया है। इस पर वानखेड़े ने नवाब मलिक पर मुकदमा करने की धमकी दी है। अभिनेता शाह रुख खान के पुत्र आर्यन खान की ड्रग्स मामले में गिरफ्तारी के बाद से ही एनसीबी मुंबई के क्षेत्रीय निदेशक समीर वानखेड़े पर राकांपा के प्रवक्ता एवं महाराष्ट्र सरकार के मंत्री नवाब मलिक तरह-तरह के आरोप लगाते आ रहे हैं। मलिक ने गुरुवार को वानखेड़े पर कुछ नए आरोप लगाते हुए उन्हें भाजपा की कठपुतली करार दिया। उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि पिछले वर्ष अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की आत्महत्या के बाद इस अधिकारी को एनसीबी में लाया गया। सुशांत की आत्महत्या की गुत्थी तो सीबीआइ नहीं सुलझा सकी, लेकिन एनसीबी का खेल फिल्म उद्योग में शुरू हो गया। रिया चक्रवर्ती को फर्जी तरीके से फंसाया गया। दर्जनों अभिनेता-अभिनेत्रियों की परेड कराई गई। कुछ लोगों को मुकदमे में फंसाने का प्रयास किया गया।मलिक ने वानखेड़े का नाम लिए बिना उन पर फिल्म उद्योग से वसूली का आरोप लगाते हुए कहा कि कोरोना काल में पूरी फिल्म इंडस्ट्री मालदीव में थी। उसी दौरान अधिकारी (समीर वानखेड़े) का परिवार भी मालदीव एवं दुबई में था। इसकी जानकारी समीर वानखेड़े नामक अधिकारी को देनी पड़ेगी। वे बताएं कि वे दुबई गए थे क्या? क्या उनके परिवार के लोग उस समय मालदीव में थे, जब पूरा बालीवुड मालदीव में था? क्या कारण था उनके वहां जाने का? हमें पूरा यकीन है कि सारी उगाही मालदीव एवं दुबई में हुई है। इसकी तस्वीरें भी हम आप लोगों को देंगे। नवाब मलिक ने समीर वानखेड़े से सवाल किया है कि वह बताएं कि उनका आका कौन है, जिसके इशारे पर वह काम कर रहे हैं? मलिक ने दावा किया है कि समीर वानखेड़े को साल भर के अंदर अपनी नौकरी से हाथ धोना पड़ेगा एवं उन्हें जेल भी जाना पड़ेगा। समीर वानखेड़े ने नवाब मलिक के आरोपों को गलत बताते हुए कहा है कि वह दुबई तो गए ही नहीं। हां, वह अपने अधिकारियों से अनुमति लेने के बाद अपने बच्चों के साथ मालदीव जरूर गए थे। यदि इसे उगाही कहा जा सकता हो तो यह मुझे स्वीकार्य नहीं है। समीर वानखेड़े के पक्ष में उनके विभाग ने भी एक प्रेस नोट जारी कर स्पष्टीकरण दिया है। एनसीबी के दक्षिण-पश्चिम क्षेत्र के उप निदेशक जनरल मुथा अशोक जैन की ओर से जारी प्रेस नोट में कहा गया है कि इंटरनेट मीडिया पर समीर वानखेड़े के बारे में दी जा रहीं कुछ सूचनाएं सही नहीं हैं। वह 31 अगस्त, 2020 से एनसीबी में प्रतिनियुक्ति पर आए हैं। उसके बाद से उन्होंने दुबई जाने का कोई आवेदन विभाग को नहीं दिया है। हां, 27 जुलाई, 2021 को विभाग ने उन्हें परिवार के सदस्यों के साथ मालदीव जाने की अनुमति जरूर दी थी। समीर वानखेड़े का कहना है कि जिस समय उनके दुबई में होने की बात कही जा रही है, उस समय वह मुंबई में थे। समीर वानखेड़े ने कहा है कि उनके परिवार को लगातार निशाना बनाया जा रहा है। हम अपने अधिकारियों से अनुमति लेकर इसके खिलाफ न्यायालय में जाएंगे।

शिवसेना सांसद भावना गवली फिर नहीं पहुंचीं ईडी के सामने, मांगी मोहलत

मुंबई, शिवसेना सांसद भावना गवली फिर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने आने से कतरा गई हैं। ईडी ने उन्हें मनी लांड्रिंग के एक मामले में पूछताछ के लिए समन भेजा था। भावना गवली के वकील ने बुधवार को पत्रकारों को बताया कि उन्हें चिकनगुनिया हो गया है, जिसका मेडिकल प्रमाणपत्र देते हुए भावना गवली ने ईडी के सामने पेश होने के लिए करीब 15 दिन की मोहलत मांगी है। भावना गवली यवतमाल-वाशिम लोकसभा क्षेत्र से शिवसेना की सांसद हैं। उन पर आरोप है कि उन्होंने अपने कुछ सहयोगियों की मदद से महिला उत्कर्ष प्रतिष्ठानम नामक एक न्यास को एक कंपनी में परिवर्तित कर इसमें जमा करोड़ों रुपयों की निकासी की है। इस मामले ईडी ने इसी वर्ष सितंबर में उनके एक सहयोगी सईद खान को पीएमएलए एक्ट के तहत गिरफ्तार किया है। कोर्ट से सईद की हिरासत मांगते हुए ईडी ने आरोप लगाया था कि भावना गवली ने उसकी मदद से धोखाधड़ी करके न्यास को एक निजी कंपनी में बदला और करीब 18 करोड़ रुपये हड़प लिए हैं। जानें, क्या है मामला गौरतलब है कि इसी मामले में ईडी भावना गवली से पूछताछ करना चाहती है। इसके लिए ईडी ने पहले चार सितंबर को उन्हें पूछताछ के लिए बुलाया था। भावना गवली ने तब भी व्यवस्तता का हवाला देकर ईडी के सामने आने से इन्कार कर दिया था। जबकि भावना गवली के वकील का कहना है कि इस मामले में रिपोर्ट खुद भावना गवली की तरफ से दर्ज कराई गई है। पुलिस भावना गवली के इस मामले में आरोपपत्र भी पेश कर चुकी है। जबकि ईडी ने इस मामले में अदालत में कहा है कि उसकी जांच में सात करोड़ रुपये नगदी की चोरी और 18.18 करोड़ रुपये की हेराफेरी की बात सामने आ रही है। ईडी के अनुसार, जिस न्यास को निजी कंपनी में बदला गया है, उसके निदेशकों में सईद खान व भावना गवली की मां शालिनीताई गवली शामिल हैं।

राम नाम की गंगा बही

प्रज्ञाचक्षुओ के प्रांगण मे दशहरे और विजयदशमी के शुभ अवसर पर नेशनल एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड इंडिया मुंबई के प्रांगण में राम नाम की गंगा लगातार 28 घंटे तक बहती रही। इस अवसर पर रामचरितमानस रामायण का अखंड पाठ 15 अक्टूबर शुक्रवार को शुरू होकर 16 अक्टूबर शनिवार को साय काल तक लगातार 24 घंटे तक चला। इसके उपरांत दृष्टिबाधितों ने भजन की ऐसी झड़ी लगाई जिससे दर्शकों का मन मोह लिया अखंड रामायण पाठ को चार चांद लगाने के लिए नैब इंडिया की ब्रेल प्रेस में मुद्रीत ब्रेल लिपि मे नौ खंडों में रामचरितमानस के नौहान परायण की ब्रेल प्रतिलिपि का विमोचन भाजपा के बांद्रा विधायक श्रीमान आशीष शेलार के कर कमलों से संस्था के अध्यक्ष श्री हेमंत टकले एवं अन्य महत्वपूर्ण अतिथियों की उपस्थिति में हुआ। इस कार्यक्रम में देश के कई राज्यों से रामचरितमानस पढ़ने वाले दृष्टिबाधित प्रज्ञाचक्षु भक्तजन आए जिनमें श्री साधु सिंह, श्री बंशीलाल, श्री मनोज मोदी जी, श्री अच्छे लाल एवं श्री ताजवार सिंह ने मुंबई से रामायण पढ़ने एवं ढोलक और हारमोनियम पर श्री हरेंद्र मलिक ने सहभागिता निभाई। इस कार्यक्रम का लगातार 24 घंटे तक ऑनलाइन यूट्यूब लाइव एवं जूम कॉन्फ्रेंस पर प्रसारण हुआ जिसका फेसबुक पर भी लाइव टेलीकास्ट किया गया।कार्यक्रम का समापन शनिवार शाम 4:00 बजे नैब इंडिया को भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की तरफ से प्राप्त हुई नई ब्रेलो 650 मशीन के उद्घाटन से हुआ। इसके उपरांत सांस्कृतिक एवं धार्मिक कार्यक्रम के अनूठे संगम के समापन कार्यक्रम मे श्री सुनील पाल मशहूर हास्यकलाकार, श्री अजय नागपाल, श्री राजेश मखीजा, श्रीमती अब्राहम जॉन,श्री कृष्णा चौहान फिल्म डायरेक्टर ,श्रीमती कुसुम राव सहित कई गणमान्य नागरिकों एवं अतिथियों के बीच दृष्टिबाधितों को स्मृति चिह्न एवं भेंट दिए गए। इस कार्यक्रम से भारतीय संस्कृति एवं विरासत के दूत के रूप में दृष्टिबाधित ओ की छवि को जोड़ने का प्रयास किया गया 1 कार्यक्रम का संचालन संस्था के मानद सचिव डॉ विमल कुमार डेंगला एवं श्रीमती पल्लवी कदम द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य सहयोगी श्री पर्वत सिंह श्री मयंक शेखर विजय नवाले एवं श्री हरेंद्र मलिक सहित नैब परिवार के कई कार्यकर्त्ता थे।

मुश्किल में फंसे ट्विटर इंडिया के पूर्व एमडी मनीष माहेश्वरी, यूपी सरकार की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने भेजा नोटिस

यूपी सरकार ने एक संवेदनशील वीडियो की जांच के लिए माहेश्वरी की उपस्थिति की मांग करने वाले नोटिस को रद्द करने के कर्नाटक हाईकोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है।

संवेदनशील वीडियो अपलोडिंग मामले में उत्तर प्रदेश सरकार की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को ट्विटर इंडिया के पूर्व एमडी मनीष माहेश्वरी को नोटिस जारी किया है। शीर्ष अदालत के नोटिस पर ट्विटर इंडिया के एमडी मनीष माहेश्वरी को चार हफ्ते में जवाब देना होगा। दरअसल, यूपी सरकार ने एक संवेदनशील वीडियो की जांच के लिए माहेश्वरी की उपस्थिति की मांग करने वाले नोटिस को रद्द करने के कर्नाटक हाईकोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। क्या है मामला संवेदनशील वीडियो अपलोडिंग को लेकर यूपी पुलिस ने ट्विटर इंडिया के पूर्व एमडी मनीष माहेश्वरी को व्यक्तिगत रूप से पेश होने के लिए कहा था जिसे मनीष ने कर्नाटक हाईकोर्ट में चुनौती दे दी थी। इसके बाद उन्हें हाईकोर्ट से राहत मिल गई थी। सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने गाजियाबाद पुलिस को किसी तरह के सख्त कदम ना उठाने के निर्देश दिए थे। अदालत के इस आदेश के बाद यूपी पुलिस ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। बुजुर्ग का वीडियो वायरल होने के बाद माहेश्वरी आए थे विवाद मेंगाजियाबाद के लोनी इलाके के एक बुजुर्ग का वीडियो पिछले दिनों ट्विटर पर वायरल हुआ था।

इस वीडियो में बुजुर्ग ने मुस्लिम होने के चलते खुद की पिटाई होने, दाढ़ी काटे जाने और जबरदस्ती जय श्री राम के नारे लगवाए जाने का आरोप लगाए थे। हालांकि यूपी पुलिस ने जांच के बाद इसका खंडन किया था। पुलिस का कहना था कि यह मामला तांत्रिक साधना से जुड़ा हुआ था और उसी के चलते उसकी पिटाई युवकों ने की थी। इसी मामले में ट्विटर का नाम भी शामिल किया गया हा।जानिए कौन हैं मनीष माहेश्वरीमनीष माहेश्वरी ने दिल्ली के प्रतिष्ठित श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स (एसआरसीसी) से पढ़ाई की है। यहां पढ़ने के दौरान उन्होंने छात्र संघ चुनाव में भी हिस्सा लिया था। वह यहां के छात्रों की पत्रिका के संपादक भी रहे। अतिरिक्त गतिविधियों में भाग लेने के लिए उन्हें कॉलेज के सर्वोच्च सम्मान प्रिंसिपल मदन मोहन मेडल से सम्मानित किया गया था। एसआरसीसी से स्नातक करने के बाद वह एमबीए (मास्टर्स इन बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन) करने के लिए अमेरिका में यूनिवर्सिटी ऑफ पेनिसिल्वेनिया के व्हार्टन स्कूल चले गए। यहां उन्हें

उद्यमिता के लिए सर्वोच्च सम्मान शिल्स-जाइडमैन अवार्ड से सम्मानित किया गया। माहेश्वरी ने अपना करियर प्रॉक्टर एंड गैंबल (पी एंड जी) के साथ शुरू किया था। यहां वह सबसे कम उम्र के क्षेत्रीय प्रवासी मैनेजरों में से एक थे। पी एंड जी के साथ काम करते हुए उन्होंने मुंबई, सिंगापुर और मनीला में काम किया था। इसके बाद वह अमेरिका की मैकिंजी कंपनी से जुड़े। साल 2011 में उन्होंने टेक्स्टवेब (TxtWeb) की स्थापना की। यह प्लेटफॉर्म एप डेवलपर्स को एसएमएस आधारित एप विकसित करने की अनुमति देता है। टेक्स्टवेब सिटिजन जर्नलिज्म के लिए सबसे बड़े मोबाइल प्लेटफॉर्म्स में से एक बन गया जहां लोग अपनी मातृभाषा में सूचना पा सकते हैं और साझा भी कर सकते हैं

KAANT FOODS®
Every Day... Every Time...
Pure Veg.
PREMIUM QUALITY
• Cholesterol Free
• 0% Trans Fat
• 100% Roasted
100% WHEAT MADE
KHAKHRA & BHAKHRI
Palak(Spinach), Kothamir(Coriander), Black Til, Moong Masala, Ratlami, Methi, Plain, Masala, Jira(Cumin), Manchuriyan, Phudina Panipuri(Mint), Pav Bhaji, Punjabi, Tomato, Cheese, Garlic, Chinese King, Meggi Masala, Chat Masala.
Manufactured By :
KAANT FOODS®
20, Sarvodaya Society, Nr. Umiya Dham Temple,
Surat - 395006, Gujarat, India. Mo. : +91 98257 70072
Web : www.kaantfoods.com
E-mail : kaantfoods@gmail.com
fssai
Lic No. 20718031001190

उत्तराखंड आपदा: कुमाऊं मंडल में फंसे 700 से अधिक पर्यटक, कई गांव का संपर्क नैनीताल से कटा

उत्तराखंड मेंतीन दिन की मूसलाधार बारिश के कारण आई आपदा में बंद हुए रास्ते भले ही अब खुलने लगे हैं लेकिन कुमाऊं मंडल में अब भी 700 से ज्यादा पर्यटक अलग-अलग कारणों से फंसे हुए हैं। इनमें चार विदेशी पर्यटकों के फंसे होने की बात कही जा रही है।नैनीताल जिले में अब भी 165 से ज्यादा पर्यटक फंसे जिला पुलिस ने बृहस्पतिवार को ऐसे 40 पर्यटकों को बाहर निकाला। कुछ पर्यटकों की गाड़ी का तेल खत्म हो गया था। कुछ पर्यटक पैदल ही निकलने की कोशिश कर रहे हैं। तीन दिन तक हुई मूसलाधार बारिश से जिले में अलग-अलग जगह पर्यटक फंस गए थे। हालांकि पुलिस और प्रशासन ने राहत और बचाव कार्य कर कई जगह से पर्यटकों को निकाल लिया। बुधवार और बृहस्पतिवार को मौसम साफ होने और कई मार्गों के खुल जाने से पर्यटकों को निकालने का काम शुरू हुआ।एसपी सर्वेश पवार ने बताया कि एसडीएम से संपर्क कर पर्यटकों की गाड़ी में तेल भरवाया गया। पुलिस के अनुसार रामगढ़ में फंसे लोगों को भी पुलिस लगातार निकाल रही है। बीमार लोगों का इलाज भी चल रहा है। सूत्रों के अनुसार चार विदेशी भी फंसे हुए हैं। वे अपने देश जाना चाहते हैं। बागेश्वर जिले में करीब 400 से ज्यादा पर्यटक अब भी फंसे हुए हैं।20 से अधिक गांव का संपर्क नैनीताल से कटारानीकोटा-देवीपुरा सौड़ मोटर मार्ग जगह-जगह क्षतिग्रस्त होने से कोटाबाग ब्लॉक के 14 ग्राम पंचायतों के ग्रामीणों का संपर्क कोटाबाग और नैनीताल से कट गया है। काश्तकारों की फसलें आपदा में नष्ट हो चुकी हैं। बांसी के बुरासी नाले में बना पुल टूटने की कगार पर है।कोटाबाग के पर्वतीय क्षेत्र ग्राम पंचायत डोला, रियाड़, जलना, बाघनी, बांसी सौड़ बगड़, ओखलढूंगा, डोन परेवा, गोरियादेव तलिया आदि 20 ग्राम पंचायतों में आपदा से जनजीवन प्रभावित हो गया। जनप्रतिनिधि कृपाल बिष्ट ने डीएम से कोटाबाग के अमगड़ी, डोला और स्यात न्याय पंचायत में तहसीलदार और संबंधित पट्टी पटवारी से सर्वे कराने और आपदा की चपेट में आए ग्रामीणों के मकान, गोशाला और कृषि भूमि की रिपोर्ट बनाकर मुआवजा दिलाने की मांग की है।

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।